मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 47
सोमवार, 24 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत बनेगा पोत निर्माण का वैश्विक केंद्र, राजनाथ सिंह ने बंगाल में 3,500 करोड़ की योजनाओं की रखी नींव

कोलकता, 23 अगस्त। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कोलकाता से ऑनलाइन माध्यम से 'गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स' और 'यंत्र इंडिया लिमिटेड' की पांच विस्तार योजनाओं की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में उनके साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे। इन परियोजनाओं में जीआरएसई की तीन और 'यंत्र इंडिया' की दो विस्तार योजनाएं शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 3,500 करोड़ रुपये की लागत वाली इन पांच परियोजनाओं की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा, ₹भारत में पोत निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने की पूरी क्षमता है। वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में एक शून्यता आ रही है और भारत इस मौके का पूरा फायदा उठा सकता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ये नई परियोजनाएं राज्य में विकास के एक नए दौर की शुरूआत करेंगी। उन्होंने कहा, ₹पश्चिम बंगाल में कारखानों के बंद होने और तालाबंदी की खबरों की जगह अब नई परियोजनाओं की शुरूआत ने ले ली है। ये परियोजनाएं न सिर्फ रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देंगी, बल्कि राज्य में औद्योगिक गतिविधियों में भी तेजी लाएंगी।

कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि जीआरएसई ने युद्धपोत बनाने और उनकी मरम्मत करने की अपनी क्षमता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह कोलकाता के साथ लीज समझौता किया है। इस समझौते के तहत हुगली नदी के दोनों किनारों पर दो छोटे शिपयार्ड और रायचक में नदी के किनारे 32 एकड़ जमीन ली गई है।

अधिकारी ने आगे बताया कि ये परियोजनाएं जीआरएसई की कार्य क्षमता को मजबूत करेंगी। इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इन परियोजनाओं से राज्य के औद्योगिक माहौल को फिर से खड़ा करने में मदद मिलेगी और सहायक उद्योगों, खासकर एमएसएमई सेक्टर को काम के अधिक अवसर मिलेंगे।

जातिगत आरक्षण खत्म करना देश हित में नहीं : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने जाति-आधारित आरक्षण को खत्म कर इसे केवल आर्थिक आधार पर लागू करने की मांग का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसा कोई भी कदम देश हित में नहीं होगा। रविवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण का प्रावधान सदियों से चले आ रहे सामाजिक भेदभाव और वंचना को दूर करने के लिए किया गया था।

मायावती ने आरक्षण का विरोध करने वाले लोगों से अपील की कि वे ऐसा कोई कदम न उठाएं जिससे एक समतामूलक समाज और स्वाभिमानी राष्ट्र के निर्माण के संवैधानिक उद्देश्य को नुकसान पहुंचे। उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के विचारों का हवाला देते हुए कहा कि जातिवाद का त्याग करना ही सबसे बड़ी देशभक्ति है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए आरक्षण-विरोधी प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए बसपा प्रमुख ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी या कांग्रेस का कोई भी अन्य नेता प्रदर्शनकारियों को अपना रुख समझाने तक नहीं गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटनाक्रम दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के प्रति कांग्रेस की आरक्षण-विरोधी मानसिकता को उजागर करता है।

मायावती ने दावा किया कि देश में आर्थिक आधार पर आरक्षण व्यवस्था पहले से ही लागू है, लेकिन सामान्य वर्ग के गरीब परिवारों को भी इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है और यह व्यवस्था काफी हद तक अपर्याप्त साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक भ्रष्ट और जातिवादी सरकारी व्यवस्था के कारण आरक्षण से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों को जमीन पर ठीक से लागू नहीं होने दिया गया, जिसके चलते आजादी के दशकों बाद भी ये वर्ग गरीबी, उत्पीड़न और सामाजिक पूर्वाग्रह का सामना कर रहे हैं।

बसपा प्रमुख ने केंद्र और राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे आरक्षण का विरोध करने वाले तत्वों को किसी भी तरह का आश्रय या संरक्षण न दें। इसके साथ ही उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और आम जनता से अपील की कि इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर सस्ती राजनीति करने से बचें।

सरकार ने वादे पूरे नहीं किए तो फिर शुरू होगा देशव्यापी आंदोलन, कॉजपा की चेतावनी

नई दिल्ली, 23 अगस्त। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक बुलाई है, जिसमें 25 जुलाई को देशव्यापी आंदोलन वापस लेने के बाद केंद्र सरकार द्वारा किए गए वादों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। कॉजपा का कहना है कि सरकार ने अभी तक उन आश्वासनों को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में औपचारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी है।

कॉजपा ने कहा कि वादों को पूरा कराने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा, जिसमें देश भर में फिर से शांतिपूर्ण आंदोलन शुरू करने का विकल्प भी शामिल है। इसमें कहा गया, "कॉजपा ने सद्भावना से अपना आंदोलन वापस लिया, क्योंकि सरकार ने देश के युवाओं से वादा किया था। लेकिन वह उस अच्छे मंशा को 'कमजोरी' समझने की गलती नहीं होने देगी।" कॉजपा ने छात्रों, युवा नागरिकों, अपने समर्थकों और स्वयंसेवकों से सोमवार को होने वाली बैठक के नतीजों के लिए तैयार रहने का भी आह्वान किया।

कॉजपा ने यह घोषणा उच्चतम न्यायालय द्वारा 18 अगस्त को देश भर में छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी की एक संयुक्त सूची मांगे जाने के कुछ दिनों बाद की है। कॉजपा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से तीन बार वह सूची देने को कहा था, ताकि वह मुकदमों को रद्द करने के लिए अनुच्छेद-142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने पर विचार कर सके।

पार्टी ने कहा, "अदालत द्वारा बार-बार यह सूची मांगे जाने के बावजूद, केंद्र सरकार ने इसे उपलब्ध कराने का कोई वादा नहीं किया।" अदालत की सुनवाई के तुरंत बाद, कॉजपा के सह-संयोजक सौरव दास और कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने चिंता जताते हुए कहा कि केंद्र के वादों के आधार पर संगठन ने अपना आंदोलन वापस ले लिया, लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा है कि युवा पीढ़ी को 'धोखा' दिया जा रहा है।

AUS vs BAN: सिर्फ 2 दिन में खत्म हुआ मकाय टेस्ट!

मकाय, 23 अगस्त। ऑस्ट्रेलिया ने मकाय के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। मुकाबला सिर्फ दो दिन में खत्म हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 210 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की दोनों पारियां क्रमशः 64 और 95 रन पर सिमट गईं। इस मुकाबले में तेज गेंदबाजों का पूरी तरह दबदबा रहा। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने मैच में 10 विकेट लिए, जबकि बांग्लादेश के शोरिफुल इस्लाम ने 7/48 का शानदार प्रदर्शन किया। इसी के साथ मकाय टेस्ट में कई बड़े रिकॉर्ड भी बने।

मकाय टेस्ट में कुल 750 गेंदें फेंकी गईं। यह ऑस्ट्रेलिया में गेंदों के लिहाज से दूसरा सबसे छोटा पूरा हुआ टेस्ट मैच है। इससे पहले 1931-32 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सिर्फ 656 गेंदों में खत्म हुआ था। दुनिया में 750 गेंदों का यह मुकाबला सबसे कम गेंदों में पूरे हुए टेस्ट मैचों की सूची में चौथे स्थान पर है। सबसे छोटा टेस्ट 2023-24 में केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच खेला गया था, जो सिर्फ 642 गेंदों में समाप्त हुआ था।

टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। बांग्लादेश की पहली पारी महज 64 रन पर समाप्त हो गई। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया भी 210 रन पर ऑलआउट हो गया, लेकिन उसे पहली पारी में 146 रन की बढ़त मिल गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैमरन ग्रीन ने 67 रन, स्टीव स्मिथ ने 42 रन और नाथन लियोन ने 32 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम ने सात विकेट झटके। 210 रन का ऑस्ट्रेलिया का पहली पारी का स्कोर भी रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गया। यह 210 या उससे कम रन बनाकर पारी के अंतर से टेस्ट जीतने वाले सबसे कम स्कोरों में चौथे स्थान पर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 1945-46 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 199/8 घोषित करके पारी और 103 रन से जीत दर्ज की थी।

146 रन से पिछड़ने के बाद बांग्लादेश की दूसरी पारी भी ज्यादा देर नहीं चली। पूरी टीम 95 रन पर आउट हो गई। इस तरह बांग्लादेश ने दोनों पारियों में 100 रन का आंकड़ा पार नहीं किया। पहली पारी में 64 और दूसरी पारी में 95 रन के साथ बांग्लादेश का मैच एग्रीगेट सिर्फ 159 रन रहा। यह टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश का सबसे कम मैच एग्रीगेट है। इससे पहले उसका सबसे कम मैच एग्रीगेट 187 रन था, जो उसने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नॉर्थ साउंड में बनाया था।

मिचेल स्टार्क ने मैच की शुरूआत ही विकेट के साथ की। उन्होंने टेस्ट की पहली गेंद पर विकेट हासिल किया। यह स्टार्क का टेस्ट क्रिकेट में पहली गेंद पर विकेट लेने का चौथा मौका है। इस मामले में उन्होंने पीटर कॉलिन्स के तीन बार के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और सबसे ज्यादा बार यह कारनामा करने वाले गेंदबाज बन गए। स्टार्क ने अब तक टेस्ट की पहली पारी के पहले ओवर में कुल नौ विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 75 टेस्ट पारियों में पहले ओवर में आठ विकेट लिए थे। स्टार्क ने यह आंकड़ा 43 पारियों में हासिल किया है।

स्टार्क की असली तबाही बांग्लादेश की पहली पारी में देखने को मिली। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में पांच विकेट पूरे कर लिए। यह टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज पांच विकेट लेने के मामलों में छठा सबसे तेज प्रदर्शन है।

ओमान में गाड़ी पलटने से भारतीय की मौत, 9 घायल

ओमान। ओमान में एक गाड़ी के पलटने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और नौ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार को सुल्तान सईद बिन तैमूर स्ट्रीट पर हुई। ओमान पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि पुलिस की हवाई शाखा ने दो घायलों को अल हेमा गवर्नरेट से निजवा अस्पताल पहुंचाने के लिए एक अभियान चलाया। पोस्ट में कहा गया, "इस दुर्घटना में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हुए, जिन्हें बाद में इलाज के लिए एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया।" पुलिस ने दुर्घटना के कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, 'खलीज टाइम्स' ने पहले अपनी खबर में कहा था कि अधिकारियों ने आंधी-तूफान और भारी बारिश के कारण राजमार्ग पर कम दृश्यता की चेतावनी दी थी।

देवेंद्र फडणवीस बोले नागपुर में, संविधान और लोकतंत्र की ताकत से आम आदमी बनता है सीएम

नागपुर, 23 अगस्त। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी निजी राजनीतिक यात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि यह भारत के लोकतंत्र और संविधान की ताकत का प्रमाण है, जो एक सामान्य व्यक्ति को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। नागपुर में जेन-जी के लिए आयोजित मंथन 4 युवा कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने युवाओं को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। यह कार्यक्रम आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक दलों द्वारा जेन-जी मतदाताओं तक पहुंच बनाने के प्रयास तेज किए जाने के बीच एक बड़े जनसंपर्क अभियान के रूप में देखा जा रहा है।उन्होंने कहा कि सरकार ने स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए नीति तैयार की है, कोष स्थापित किया है, इन्क्यूबेशन केंद्र बनाए हैं और अब उनका विकेंद्रीकरण किया जा रहा है। युवाओं के राजनीति में रुचि दिखाने और मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर फडणवीस ने कहा, यह आसान नहीं है। हमारे संविधान ने इस देश में लोकतंत्र दिया है।

इस लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि देवेंद्र फडणवीस जैसा व्यक्ति, जिसने शायद कभी नगर निगम पार्षद बनने की भी कल्पना नहीं की थी, मुख्यमंत्री के पद तक पहुंच गया या गुजरात में रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाला एक लड़का देश का प्रधानमंत्री बन गया। उन्होंने कहा, यह भारत के संविधान की ताकत है, भारत के लोकतंत्र की शक्ति है और यही देश के युवाओं की ताकत है। फडणवीस ने कहा, जब मैंने राजनीति में प्रवेश किया तो मैं केवल विचारों से प्रेरित था। उस समय मेरे पास जो विचार थे और जिस पार्टी में मैं काम करता था, उससे ऐसा नहीं लगता था कि कभी सत्ता में आएगी। हम सोचते थे कि हम विपक्ष में राजनीति करने के लिए ही पैदा हुए हैं। हम हर दिन आंदोलन करते थे। रोज संघर्ष करते थे लेकिन किसी तरह जनता ने हम पर भरोसा जताया और एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए एक दिन मुझे महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की जिम्मेदारी मिली।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

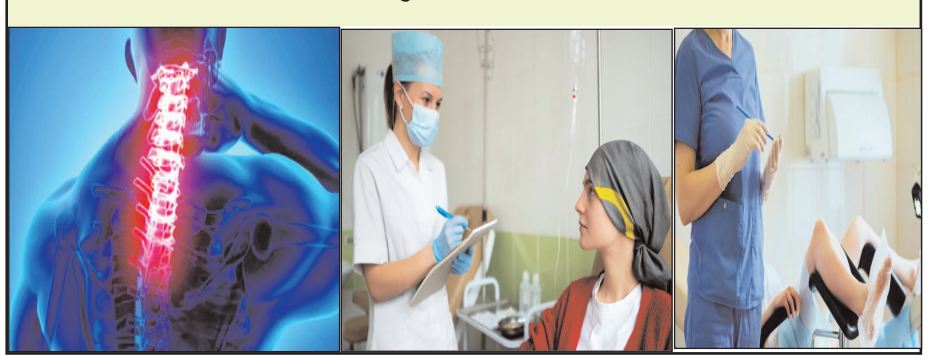

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

जिनके घर शीशे के हों वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते

-तनवीर जाफरी

देश में इन दिनों छात्रों और युवा पीढ़ी अर्थात Gen Z के छिड़े घमासान के बीच Gen Z को ही केंद्र में रखकर कुछ ऐसे बयान सुनने में आ रहे हैं जिनकी न तो भाषा शालीन है न ही बयान देने वालों का व्यक्तित्व ही ऐसा है जिसे देश में शिक्षा, रोजगार, पारदर्शिता, जवाबदेही, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र तथा संवैधानिक मूल्यों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी व छात्रों से जोड़ा जा सके। इस संबंध में सबसे दिलचस्प वाकयुद्ध बाबा रामदेव व फिल्म अभिनेत्री व भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत के बीच छिड़ा । इस वाक्युद्ध ने एक दूसरे की पोल पट्टी खोलकर रख दी। गौरतलब है कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं। कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को 'गटर जनरेशन' कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि Gen Z के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी जिंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है।₹ कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे उल्टी आने जैसा व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि ₹यह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं।₹ कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार

की अनुमति देते हैं?

कंगना रनौत के इस बयान की खासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के 'गटर जेनरेशन' वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये । रामदेव ने कहा कि ₹उनकी क्वालिफिकेशन (शिक्षा)क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-जी को 'गटर' बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है। यह गलत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग आश्चर्यचकित हैं कि आखिर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज उठाने की हिम्मत जुटाई ? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का 'मौसम विज्ञानी ' भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रानौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये ? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलाकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े ?

दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरूआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौंकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं। कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने खुलकर स्वीकार किया था कि वह एक समय पर ड्रग्स की लत का शिकार हो चुकी थीं। उन्होंने कहा था कि ₹जब मैं घर से भागी थी, उसके डेढ़-दो साल के अंदर ही मैं एक फिल्म स्टार भी थी और एक 'ड्रग एडिक्ट' भी थी।₹ उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शुरूआती दिनों में उनके एक 'मेंटॉर' जो बाद में प्रताड़ित करने वाले बन गए, उनकी ड्रिंक्स में नशीली चीजें मिलाकर देते थे ताकि वह पुलिस के पास न जा सकें। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे योग और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं की मदद से नशे की इस लत से बाहर आ पाईं। उसी 2020 के वीडियो में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कंगना ने खुद को 'खतरनाक' बताया था। उन्होंने कहा था कि जब वह कम उम्र में घर से भागकर मुंबई आई थीं, तो बहुत गलत लोगों के चंगुल में फंस गई थीं। उन्होंने कहा था कि ₹मेरी जिंदिगी में इतने स्कैंडल चल रहे थे और मैं ऐसे लोगों के हाथों में पड़ गई थी, जहां से सिर्फ मौत ही मुझे बचा सकती थी। यह सब मेरी जिंदिगी में तब हो रहा था जब मैं सिर्फ एक टीनेजर (किशोरी) थी। सोच लो, मैं कितनी खतरनाक हूँ! कंगना ने यह भी बताया था कि उनके पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन जब उन्होंने मना किया तो उनके पिता ने उन्हें थप्पड़ मारा था, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। वह महज 15-16 साल की उम्र में बिना पैसों के घर से भागकर दिल्ली और फिर मुंबई आ गई थीं।

वास्तव में कंगना की इस तरह की स्वीकारोक्ति को ही आधार बनाकर रामदेव ने उन्हें लेकर अनेक प्रश्न खड़े कर दिये। और प्रश्नों की उसी शब्दावली के अनुरूप ही कंगना ने भी रामदेव पर सीधा व्यक्तिगत प्रहार करते हुये कहा कि ₹बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में आप दिन में सपने मत देखिए। कोई सिर्फ अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही ऐसा अंदाजा लगा सकता है। कंगना ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले मामले की ओर इशारा करते हुये कहा कि ₹कम से कम मुझे कभी झूठे या फर्जी मेडिकल दावों के लिए सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी है। मेरे दावे हमेशा ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं, न कि किसी अफवाह पर।₹ कंगना ने बाबा रामदेव को करारा जवाब देते हुए कहा, इसलिए आप मुझे चरित्र का पाठ मत पढ़ाइए। मेरा चरित्र आपसे कहीं ज्यादा बेहतर है, यहां कोई धोखाधड़ी/फ्रॉड नहीं पकड़ी गई है। कंगना द्वारा रामदेव इसतरह के शब्द बाण भी अकारण नहीं छोड़े गये। इसके पीछे रामदेव और उनकी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ विभिन्न अदालतों विशेषकर सुप्रीम कोर्ट और सरकारी प्राधिकरणों द्वारा की गई कई गंभीर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाइयां शामिल हैं। कभी सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को उन सभी दवाओं और उत्पादों के विज्ञापन और ब्रांडिंग करने से पूरी तरह रोक दिया, जो 'ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954' के तहत प्रतिबंधित बीमारियों को पूरी तरह ठीक करने का दावा करते थे कभी कोर्ट में लिखित आश्वासन देने के बावजूद भ्रामक विज्ञापन जारी रखने पर कोर्ट ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया। कभी कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होने का आदेश दिया और उनकी कानूनी टीम को कड़ी फटकार लगाई। तो कभी उन्होंने अदालत में बिना शर्त माफी मांगी अदालत ने ₹महज दिखावा₹ कहकर खारिज कर दिया था। यहाँ तक कि कड़े अदालती रुख के बाद पतंजलि को देश के प्रमुख राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में बड़े आकार में सार्वजनिक माफीनामा प्रकाशित करना पड़ा। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं जिनसे यह साबित होता है कि रामदेव व उनका व्यवसाय भी दूध का धुला नहीं। कुल मिलाकर कंगना रानौत हों या रामदेव दोनों ही अपने उज्जवल भविष्य के लिये चिंतित व संघर्षरत देश की युवा पीढ़ी के लिये आदर्श नहीं हो सकते न ही इनकी नसीहत या आलोचना युवाओं के पतन या उत्थान का कारण बन सकती है। हाँ युवा पीढ़ी के बहाने इनके बीच चले वाक्युद्ध से यह जरूर साफ हो गया है कि जिनके अपने घर शीशे के हों उन्हें दूसरों के घरों पत्थर हरगिज नहीं फेंकना चाहिये।

मोबाइल की घातक चाह का आत्मघाती दलदल और दम तोड़ते नौनिहाल

अशोक भाटिया

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर से आई हालिया हृदयविदारक घटना ने आधुनिक समाज की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। एक उन्नीस वर्षीय किशोर ने महज एक महंगे आईफो की मांग पूरी न होने पर पहाड़ी की चोटी से छलांग लगा दी। उसे बचाने की तीन घंटे की मर्मभेदी कोशिशों के बीच पिता ने उसे पकड़ना चाहा, पर दोनों का संतुलन बिगड़ गया और वे सैकड़ों फीट गहरी खाई में जा गिरे। इस भयावह मंजर को अपनी आंखों से देखने वाली बेबस मां ने भी बदहवास होकर मौत की उसी खाई में छलांग लगा दी। चंद पलों में, एक स्मार्टफोन की जिद ने हंसते-खेलते पूरे परिवार का अस्तित्व ही मिटा दिया। यह कोई अकेली घटना नहीं है। कुछ ही समय पहले गाजियाबाद में तीन सगी बहनों द्वारा डिजिटल लत और मानसिक तनाव के चलते की गई सामूहिक खुदकुशी की घटना ने भी देश को झकझोर दिया था। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में 10 साल के मासूम बच्चे की रील देखते-देखते अचानक दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत ने तो चिकित्सा जगत को भी हैरत में डाल दिया है। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में पुरानी मोबाइल बैटरी के फटने से मासूम की जान जाने का मामला हो या ऑनलाइन गेम में पैसे हारने पर किशोरों द्वारा उठाए जाने वाले आत्मघाती कदम; ये सभी घटनाएं चिल्ला-चिल्लाकर कह रही हैं कि 'मोबाइल की चाह' अब सिर्फ एक लत नहीं, बल्कि हमारे नौनिहालों के लिए एक जानलेवा महामारी बन चुकी है।

आखिर वह कोमल बचपन, जो कभी तितलियों के पीछे भागने, कागजों की कश्ती तैरने और गलियों में मिट्टी से सराबोर होने में अपनी खुशी ढूंढता था, आज पांच इंच की इस कांच की स्क्रीन का गुलाम कैसे हो गया? यह सवाल आज हर उस घर का है जहां एक बच्चा चौबीस घंटे अपनी उंगलियों को स्क्रीन पर सरकाता रहता है। सरकार के आधिकारिक आर्थिक सर्वेक्षण तक में इस समस्या को एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में चिह्नित किया चुका है। डॉक्टरों और न्यूरोलॉजिस्ट्स का स्पष्ट मानना है कि किशोरावस्था में बच्चों का मस्तिष्क पूरी तरह विकसित नहीं होता है। ऐसे में अत्यधिक और अनियंत्रित डिजिटल एक्सपोजर उनके सोचने की क्षमता को विकृत कर देता है। उनमें आवेग और चिड़चिड़ापन इस कदर बढ़ जाता है कि वे 'ना' सुनने की क्षमता पूरी तरह खो देते हैं। किसी वस्तु की मांग पूरी न होने पर या ऑनलाइन दुनिया में खुद को कमतर पाने पर वे सीधे अपनी जीवनलीला समाप्त करने जैसा भयावह कदम उठा लेते हैं।

इस विकट स्थिति के लिए किसी एक पक्ष को जिम्मेदार ठहराकर हम अपनी सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकते। इसके जिम्मेदार कई स्तरों पर मौजूद हैं। सबसे पहली और प्राथमिक जिम्मेदारी माता-पिता की है। आधुनिक जीवनशैली की भागदौड़, काम के दबाव और अपनी व्यक्तिगत व्यस्तताओं के कारण पेरेंट्स ने स्मार्टफोन को एक 'सस्ते बेबीसिटर' या 'डिजिटल लोरी' के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। बच्चा रोया नहीं कि उसके हाथ में फोन थमा दिया गया, बच्चा खाना नहीं खा रहा तो स्क्रीन पर कार्टून चला दिया गया। शुरूआती दौर में जिस स्क्रीन को बहलावे का साधन समझा गया, वह धीरे-धीरे कब बच्चों के मानसिक तंत्र पर हावी हो गई, इसका अंदाजा अभिभावकों को तब लगता है जब पानी सिर से ऊपर बह चुका होता है। इसके साथ ही, बच्चों के स्क्रीन टाइम और वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, इस पर प्रभावी निगरानी रखने में पैरेंट्स पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। इस मायाजाल के पीछे बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों का व्यावसायिक लालच भी पूरी तरह जिम्मेदार है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, रील्स, शॉर्ट्स और ऑनलाइन बैटल गेम्स का एल्गोरिदम इस तरह से डिजाइन किया जाता है जो सीधे मानवीय मस्तिष्क में 'डोपामाइन' के स्तर को नियंत्रित करे। यह बिल्कुल किसी मादक पदार्थ के सेवन जैसा है। जैसे ही यूजर एक रील स्क्रॉल करता है, उसे एक नया रोमांच मिलता है, जिससे उसे लगातार फोन देखते रहने की लत लग जाती है। इन कंपनियों के पास बच्चों को हानिकारक कंटेंट, साइबर बुलिंग या अश्लीलता से बचाने के लिए कोई ठोस और फुलप्रूफ सुरक्षा फिल्टर मौजूद नहीं हैं। उनके लिए बच्चे सिर्फ एक 'डेटा' और मुनाफे का जरिया हैं। हम एक ऐसे समाज में तब्दील हो चुके हैं जहां कंक्रीट के जंगलों के बीच बच्चों के लिए खेल के मैदान खत्म हो चुके हैं। एकल परिवारों के बढ़ते चलन और पड़ोसियों से संवादहीनता के कारण आज का बच्चा बेहद अकेला है। जब उसे घर के भीतर अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए कोई सजीव साथी, दादा-दादी या दोस्त नहीं मिलते, तो वह इस अकेलेपन को भरने के लिए स्मार्टफोन की आभासी दुनिया की शरण लेता है। यह आभासी दुनिया उसे झूठी तसल्ली तो देती है, लेकिन असल जिंदगी में उसे और अधिक संवेदनशून्य, आत्मकेंद्रित और कमजोर बना देती है। स्मार्टफोन की लत सिर्फ जानलेवा हादसों या खुदकुशी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अंदर ही अंदर हमारी आने वाली पीढ़ी की मानसिक और शारीरिक क्षमता को घुन की तरह खा रही है। स्क्रीन के अत्यधिक इस्तेमाल से बच्चों में अनिद्रा (Insomnia), आंखों की गंभीर बीमारियां, मोटापा और एकाग्रता की कमी जैसी समस्याएं आम हो चुकी हैं। इससे भी खतरनाक है उनका मानसिक स्वास्थ्य। जब एक बच्चा सोशल मीडिया पर दूसरों की 'परफेक्ट' जिंदगी या महंगे गैजेट्स देखता है, तो उसमें हीन भावना घर कर जाती है। वह यह समझने में असमर्थ रहता है कि स्क्रीन पर दिखने वाली दुनिया बनावटी है। इसी हीन भावना के वशीभूत होकर वह अपने माता-पिता पर महंगे फोन या साधनों के लिए दबाव बनाता है, और इंकार मिलने पर चरम कदम उठा लेता है।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

छत्रपति संभाजीनगर की घटना हमारे लिए आखिरी चेतावनी की तरह है। अगर आज भी हमने अपनी आंखें नहीं खोलीं, तो डिजिटल एडिक्शन का यह अजगर न जाने कितने और परिवारों को निगल जाएगा। समाधान के लिए हमें एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। हर घर में 'नो-गैजेट जोन' और 'नो-मोबाइल ऑवर्स' निर्धारित होने चाहिए, जिसका पालन बच्चों के साथ-साथ माता-पिता भी करें। पैरेंटल ऐप्स और इंटरनेट फिल्टर्स का इस्तेमाल अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए ताकि बच्चे की डिजिटल गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना होगा। बच्चों को यह विश्वास दिलाना जरूरी है कि उनकी पहचान किसी महंगे गैजेट या सोशल मीडिया के लाइक्स से तय नहीं होती। उन्हें 'ना' सुनने और असफलताओं को स्वीकार करने का हौसला बचपन से ही देना होगा। सरकार को टेक कंपनियों और गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए अत्यंत सख्त नियम बनाने होंगे। बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को सीमित करने वाले फीचर्स को इन-बिल्ट करना और हानिकारक वेबसाइट्स पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना वक्त का तकाजा है। शिक्षा व्यवस्था में भी 'डिजिटल हाइजीन' को एक अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

स्मार्टफोन विज्ञान का एक बेहतरीन आविष्कार है, लेकिन जब कोई आविष्कार इंसानी जान की कीमत पर हावी होने लगे, तो उसे वरदान नहीं, अभिशाप माना जाता है। नौनिहालों की जाती जान के लिए सीधे तौर पर हम सब जिम्मेदार हैं—वह माता-पिता भी जो फोन देकर निश्चिंत हो गए, वह समाज भी जिसने बच्चों से उनके खेल के मैदान छीन लिए, वह व्यवस्था भी जो तकनीक के इस बेलगाम घोड़े पर लगाम लगाने में सुस्त है। समय आ गया है कि हम बच्चों के हाथों से स्मार्टफोन छीनकर उन्हें फिर से वही पुरानी किताबें, मिट्टी के खिलौने और खुले आसमान के नीचे खेलने वाले खेल वापस लौटाएं। हमें यह याद रखना होगा कि एक आईफोन दोबारा खरीदा जा सकता है, लेकिन किसी मां-बाप के बुझ चुके घर का चिराग कभी दोबारा नहीं जल सकता।

अंततः, हमें यह स्वीकार करना होगा कि डिजिटल युग का यह संकट किसी एक घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, यह हमारी पूरी सभ्यता की परीक्षा है। तकनीक सुविधा के लिए थी, समर्पण के लिए नहीं। जब हम अपने बच्चों को समय देने के बजाय उनके हाथों में चमचमाता स्मार्टफोन थमाते हैं, तो असल में हम उनकी मासूमियत का सौदा कर रहे होते हैं। आज हर माता-पिता को खुद से यह कड़वा सवाल पूछना होगा—₹क्या पांच इंच की उस बेजान स्क्रीन की कीमत, मेरे बच्चे की अनमोल मुस्कान और उसकी जिंदगी से ज्यादा है?

यदि आज भी हमारा समाज इस सामूहिक मतिभ्रम से बाहर नहीं निकला, तो आने वाला इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह समय दोषारोपण का नहीं, बल्कि आत्म-मंथन और कड़े फैसलों का है। सरकारें नियम बनाएंगी, कंपनियां मुनाफा कमाएंगी, लेकिन अपने बच्चे को इस 'सफेद जहर' से बचाना अंततः हमारी अपनी जिम्मेदारी है। याद रखिए, बचपन दोबारा लौटकर नहीं आता, और खोई हुई सांसें किसी भी डिजिटल स्टोर पर वापस नहीं मिलतीं। आइए, आज ही संकल्प लें कि हम अपने घरों को तकनीक का गुलाम नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं का जीवंत केंद्र बनाएंगे।

तपते शहर, जलता भविष्य

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय शहरों में पड़ रही भीषण गर्मी अब महज एक मौसम संबंधी घटना नहीं बल्कि जलवायु न्याय का मुद्दा बन गई है। लू को अक्सर एक क्षणिक जलवायु घटना माना जाता है, लेकिन लू के असमान प्रभाव आवास, आय, रोजगार, पानी और बिजली की उपलब्धता और भीषण गर्मी से बचने की क्षमता में व्याप्त असमानताओं से गहराई से जुड़े हुए हैं। अमीर लोग वातानुकूलित इमारतों में शरण ले सकते हैं, जबकि लाखों शहरी गरीबों को काम, स्कूल और घर जाने के लिए दिन की भीषण गर्मी सहनी पड़ती है। दिल्ली में हाल ही में दर्ज की गई भीषण गर्मी, जिसमें सुंदर नगरी का सतही तापमान 54 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया, इस असमान वास्तविकता को दर्शाती है।

दुनिया के अन्य हिस्सों के विपरीत, जलवायु परिवर्तन शहरी डिजाइन और विकास प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है, जिससे भारतीय शहर अधिक गर्म हो रहे हैं। वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण भीषण गर्मी की घटनाएं बढ़ रही हैं, इनकी अवधि लंबी हो रही है और तीव्रता भी बढ़ रही है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर, शहरीकरण शहरी ऊष्मा द्वीप (यूएचआई) प्रभाव के माध्यम से तापमान को और बढ़ा सकता है। दिन के दौरान, कंक्रीट, डामर और अन्य निर्मित सतहें सूर्य से ऊष्मा अवशोषित करती हैं और धीरे-धीरे इसे छोड़ती हैं, जिससे रात के बाद आस-पड़ोस गर्म हो जाते हैं। शहरों के अनियोजित और तीव्र विकास ने प्राकृतिक शीतलन क्षेत्रों को ऊष्मा धारण करने वाले बुनियादी ढांचे से प्रतिस्थापित कर दिया है। वनस्पति की कमी से स्थिति और भी बिगड़ जाती है। पेड़ और हरे-भरे स्थान तापमान को नियंत्रित करते हैं और वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को छाया प्रदान करते हैं। ये गर्मी से बचाव के सबसे प्रभावी प्राकृतिक अवरोधों में से एक हैं, जो धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, खासकर ऊंची इमारतों वाले और गरीब इलाकों में। इमारतों की घनी आबादी भी वायु प्रवाह को बाधित कर सकती है, जिससे इमारतों के बीच गर्म हवा जमा हो सकती है।

शहरी गर्मी का अन्याय असमान रूप से प्रभावित होता है, और इसके अनुकूलन की क्षमता भी असमान होती है। गरीब लोग अक्सर अनौपचारिक बस्तियों में या खराब ढंग से बने घरों में रहते हैं, जिनमें हवा का आवागमन कम होता है, इन्सुलेशन सीमित होता है और छत टिन की होती है। दिन के सबसे गर्म समय में ये घर बाहर के तापमान से कहीं अधिक गर्म हो सकते हैं। भीड़भाड़ वाले कमरों में, जहां बिजली की आपूर्ति अनियमित होती है और एयर कंडीशनर या पंखे का लंबे समय तक उपयोग करने की क्षमता न होती है, गर्मी का सामना करना विशेष रूप से खतरनाक होता है। ऐसे में कई परिवारों के लिए घर ही शरणस्थल बन जाता है। असुरक्षा का एक अन्य पहलू व्यवसाय है। अनौपचारिक क्षेत्र के कई श्रमिक, जैसे कि सड़क विक्रेता, निर्माण श्रमिक, सफाईकर्मी, डिलीवरी कर्मी, यातायात पुलिसकर्मी, घरेलू कामगार आदि, दिन के सबसे गर्म घंटों में काम करने से बच नहीं पाते हैं। औपचारिक कर्मचारियों के विपरीत, इनमें से कई को उपस्थिति या उत्पादकता और/या बिक्री के आधार पर वेतन मिलता है। स्वास्थ्य कारणों से छुट्टी लेने पर आय का नुकसान हो सकता है। गर्मी से उत्पादकता में कमी, ग्राहकों की संख्या में गिरावट, खराब होने वाली वस्तुओं की बर्बादी और शारीरिक थकान भी होती है। परिणामस्वरूप, यह गर्मी कम आय और पानी, बिजली और स्वास्थ्य देखभाल के बढ़ते खर्चों के दुष्चक्र को जन्म दे सकती है।

स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव भी एक जैसे नहीं होते। लंबे समय तक उच्च तापमान के लक्षणों में निर्जलीकरण, सिरदर्द, चक्कर आना, कमजोरी और अनिद्रा शामिल हैं। बुजुर्ग, पहले से ही कमजोर लोग और छोटे बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। हालांकि, शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल, स्वच्छ पानी और शीतलन की सुविधा मिलने की संभावना कम होती है। रात में खराब नींद के दीर्घकालिक प्रभाव भी हो सकते हैं, क्योंकि इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है, खासकर गर्म जलवायु में जहां घरों में पर्याप्त शीतलन की व्यवस्था नहीं होती, और जो भीड़भाड़ वाले होते हैं और रात में बंद नहीं किए जा सकते। गर्मी से संबंधित संवेदनशीलता केवल मौसम स्टेशन पर दर्ज किए गए उच्चतम तापमान का मामला नहीं है; इसमें गर्मी के संपर्क में रहने की अवधि और गर्मी के प्रभावों को कम करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता भी शामिल हो सकती है।

भारतीय शहरों को लू से निपटने की सामान्य रणनीतियों से हटकर शहरी नियोजन के लिए लू-प्रतिरोधी और सामाजिक रूप से समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। हालांकि यह एक महत्वपूर्ण पहला कदम है, लेकिन आपदा प्रबंधन योजनाओं में केवल शहर-व्यापी औसत मूल्यों के बजाय मोहल्ले-स्तर के जोखिम मानचित्रण के परिणामों को शामिल करना आवश्यक है। वार्ड स्तर के मानचित्रों में अनौपचारिक बस्तियों, कम वृक्ष घनत्व वाले स्थानों, ऊष्मा-संग्रह सतहों और उन स्थानों को इंगित किया जाना चाहिए जहां बाहरी श्रमिकों या आबादी की पानी और स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जोखिम मूल्यांकन का दृष्टिकोण एक मूल्यवान आधार प्रदान करता है, लेकिन इसका कार्यान्वयन शहरी नियोजन प्रक्रिया के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा होना चाहिए।

किफायती आवास परियोजनाओं का निर्माण शहरी ताप-प्रतिरोधक क्षमता का आधार होना चाहिए। परावर्तक छतें, ठंडी छतें, बेहतर भवन इन्सुलेशन, छायादार खिड़कियां, बेहतर भवन वेंटिलेशन और ऊर्जा-कुशल निर्माण सामग्री का उपयोग, ये सभी निष्क्रिय शीतलन विकल्प हैं जो आंतरिक तापमान को नियंत्रित कर सकते हैं और एयर कंडीशनिंग के लिए ऊर्जा की खपत को कम कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, सही परिस्थितियों में ठंडी छतें आंतरिक तापमान को लगभग 2-5 डिग्री सेल्सियस तक कम कर सकती हैं। इसलिए सरकारों को झुग्गी-झोपड़ियों, वंचित आवासों, स्कूलों, अस्पतालों, आंगनवाड़ी केंद्रों आदि जैसे सार्वजनिक संस्थानों में इन्हें स्थापित करने को विशेष महत्व देना चाहिए।

हरित और नीली अवसंरचना को भी शहर की अभिन्न सेवाओं के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि केवल अतिरिक्त सुविधाओं के रूप में। वृक्षों की सघनता बढ़ाना, सड़कों पर हरियाली बढ़ाना, पार्कों की रक्षा करना और झीलों एवं जल निकायों का जीर्णोद्धार करना स्थानीय जलवायु को ठंडा कर सकता है, वायु गुणवत्ता में सुधार कर सकता है और जन स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है। लेकिन इन उपायों का उचित वितरण होना चाहिए। यदि समृद्ध क्षेत्रों को ऐसे पार्क दिए जाते हैं जहाँ उनकी आवश्यकता नहीं है, तो निम्न आय वाले क्षेत्रों को कंक्रीट और डामर देना अनुचित होगा।

शहरों को जोखिम वाले क्षेत्रों में सुलभ शीतलन केंद्र, हवादार सार्वजनिक स्थान और पेयजल केंद्र भी उपलब्ध कराने चाहिए। बस स्टॉप, बाजार, श्रमिक केंद्र और निर्माण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। ऐसी सुविधाएं भीषण गर्मी की चेतावनी के दौरान उपलब्ध होनी चाहिए और बिना किसी शुल्क के आसानी से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। स्थानीय भाषाओं में और अनौपचारिक क्षेत्र तथा हाशिए पर पड़े समुदायों के माध्यम से भी प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों का प्रसार किया जाना चाहिए। शहरी मास्टर प्लान, भवन निर्माण संहिता और अवसंरचना में निवेश में ताप-प्रतिरोधकता को शामिल किया जाना आवश्यक है। जलवायु-संवेदनशील भवनों में एउइउ सिद्धांतों के आधार पर दिशा, छायांकन, वेंटिलेशन और कम ताप उत्पन्न करने वाली सामग्रियों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। नई सड़कों, आवासीय परियोजनाओं और वाणिज्यिक विकास परियोजनाओं के लिए नियमित पर्यावरणीय आकलन के अतिरिक्त ताप-प्रभाव आकलन का उपयोग किया जाना चाहिए।

बाहरी कार्यों में लगे श्रमिकों को भी सुरक्षा की आवश्यकता है! भारत में व्यावसायिक ताप मानकों को मजबूत करने की आवश्यकता है, साथ ही अनिवार्य विश्राम अवकाश, छायादार कार्यस्थल, पीने का पानी और अत्यधिक गर्मी में लचीले कार्य घंटों का प्रावधान भी आवश्यक है।

निष्कर्षतः, भीषण गर्मी शहरी संरचना और संसाधनों तक पहुँच में असमानताओं को उजागर करती है। 45 डिग्री सेल्सियस का दिन एक अमीर व्यक्ति और एक सड़क विक्रेता के लिए एक जैसा हो सकता है, लेकिन दोनों का अनुभव बिल्कुल अलग होता है। जलवायु परिवर्तन के प्रति शहरों को लचीला बनाने के लिए, तापमान कम करने के साथ-साथ आवास, आजीविका, सार्वजनिक स्वास्थ्य, श्रम अधिकार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। प्रत्येक वार्ड के लिए ताप-जोखिम मानचित्रण, जलवायु-लचीले आवास, कूल रूफ, हरित अवसंरचना, शीतलन आश्रय और व्यावसायिक सुरक्षा उपाय शहरी प्रशासन के केंद्र में होने चाहिए। हमें शहरी गरीबों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय भारत के शहरों को अधिक ठंडा, सुरक्षित, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

महंगाई काबू में है, बस आम आदमी का बजट बेकाबू है

-प्रो. आरके जैन अरिजीत

रसोई का दरवाजा खुलते ही आज सबसे पहले बजट नजर आता है। चीनी महँगी है, तेल जेब का हिसाब बिगाड़ रहा है, दाल का हर निवाला सोचकर खाना पड़ रहा है और सब्जियों के बढ़ते दाम थाली का संतुलन बिगाड़ रहे हैं। दूध की मलाई अब सामान्य सुविधा नहीं रही। महंगाई ने सवाल बदल दिया है—पहले पूछा जाता था, आज क्या पकाएँ; अब सोचना पड़ता है, क्या छोड़ें। रोटी अब सिर्फ भोजन नहीं, मासिक बजट का हिस्सा बन गई है। जरूरी चीजें महँगी हों तो सबसे पहले बचत घटती है, फिर इच्छाएँ सीमित होती हैं। सहनशीलता को ताकत कहा जाता है, लेकिन लगातार बढ़ती कीमतों के बीच वही मजबूरी बन जाती है। सरकारी दावों और बाजार की हकीकत के बीच दूरी साफ दिखती है। महंगाई नियंत्रण में होने की बात कही जाती है, लेकिन किराने की दुकान पर उसका असर नहीं दिखता। आँकड़े प्रतिशत में राहत दिखा सकते हैं, पर परिवार का बजट रुपये में चलता है। दाल महँगी हो तो वैश्विक कारण, तेल बढ़े तो अंतरराष्ट्रीय बाजार का हवाला मिलता है। सवाल है, सस्ताई के समय यही वैश्विक परिस्थितियाँ असरदार क्यों नहीं दिखतीं? आम आदमी बिना किसी आर्थिक डिग्री के महंगाई समझता है। चीनी, तेल, दूध और प्याज के भाव से वह महीने का अनुमान लगाता है। उसके लिए महंगाई कोई आर्थिक शब्द नहीं, रोज का अनुभव है। यही सरकारी भाषा और रसोई की भाषा के बीच बढ़ते भरोसे के अंतर की वजह है। महंगाई ने ऐसा मध्यमवर्ग खड़ा कर दिया है जिसकी आय स्थिर है, लेकिन जरूरतों की कीमत लगातार बढ़ रही है। कागज पर वह गरीब नहीं, पर महीने के अंत में आय-व्यय का हिसाब उसे असुरक्षित कर देता है। घरों में अब बच्चों को उन दिनों की सस्ती चीजों के बारे में बताना पड़ता है, जो कभी सामान्य थीं। सस्ता शब्द धीरे-धीरे अनुभव से निकलकर स्मृति बन रहा है। महंगाई का असर सिर्फ थाली पर नहीं, बचत, शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं पर भी पड़ता है। आय का बड़ा हिस्सा जरूरी खर्च में जाए तो सपनों की जगह अपने आप छोटी हो जाती है। इस दबाव को केवल औसत आँकड़े पूरी तरह नहीं समझा सकते।

महंगाई पर नियंत्रण के उपायों की कमी नहीं, लेकिन नतीजे सीमित हैं। गोदाम खोलने, आयात बढ़ाने, जमाखोरी पर कार्रवाई, बैठकों और घोषणाओं की खबरें आती रहती हैं। सरकारें कदम उठाती हैं, लेकिन उपभोक्ता को राहत तभी मिलती है जब बाजार की कीमत घटे। चुनावों में महंगाई रोकने के वादे होते हैं, फिर कुछ समय बाद वही चिंता लौट आती है। समस्या यह नहीं कि सरकार कुछ नहीं करती, बल्कि यह है कि प्रयास और आम आदमी को मिली राहत के बीच दूरी बनी रहती है। नियंत्रण की घोषणा तभी सार्थक है, जब उसका असर किराने की सूची पर दिखे। चीनी की पुड़िया और तेल की बोतल भाषण नहीं, कीमत समझते हैं। महंगाई ने परिवार की बातचीत और प्राथमिकताएँ बदल दी हैं। पहले घरेलू बजट एक व्यवस्था था, अब वह बदलती कीमतों से जूझता हिसाब बन गया है। पत्नी सब्जी, तेल और चीनी का अनुमान लगाती है, पति वेतन और बाकी खर्च का। समस्या एक ही है—जरूरतें अनेक, पैसा सीमित। कई परिवारों को भोजन की गुणवत्ता, बचत और छोटी इच्छाओं में से चुनाव करना पड़ता है। महंगाई सिर्फ चीजें महँगी नहीं करती, परिवार के फैसले भी बदलती है। आय का बड़ा हिस्सा जरूरी खर्च में जाए तो शिक्षा, स्वास्थ्य, यात्रा और आकस्मिक जरूरतों के लिए पैसा कम पड़ता है। यही रोजमर्रा का दबाव महंगाई को आर्थिक से बढ़ाकर सामाजिक समस्या बनाता है।बढ़ती कीमतों ने आर्थिक दूरी को समझने का तरीका बदल दिया है। अब केवल आय नहीं, यह भी देखना जरूरी है कि उस आय से परिवार कितनी जरूरतें पूरी कर पा रहा है। महंगाई का असर गरीब पर सबसे तीखा है, क्योंकि उसकी आय का बड़ा हिस्सा भोजन और जरूरी वस्तुओं पर खर्च होता है। मध्यमवर्ग भी इससे अछूता नहीं, क्योंकि उसकी बचत और भविष्य की योजनाएँ प्रभावित होती हैं। रिश्तेदारों और मित्रों की बातचीत में भी अब दाम जगह बना चुके हैं—तेल कहाँ सस्ता है, सब्जियाँ किस बाजार में कम हैं, दाल कितने की है। महंगाई ने सिर्फ बाजार नहीं, लोगों की प्राथमिकताएँ और बातचीत भी बदल दी हैं। अर्थशास्त्र के सिद्धांत अपनी जगह हैं, लेकिन महंगाई की असली परीक्षा घर की थाली में होती है। मांग-आपूर्ति, वैश्विक बाजार और मुद्रास्फीति जैसे शब्द तभी मायने रखते हैं, जब उनका असर परिवार के खर्च में साफ दिखे। विशेषज्ञ इसे अस्थायी बताते हैं, लेकिन लंबे समय तक बनी ऊँची कीमतें आम आदमी के लिए अस्थायी नहीं रह जातीं। लगातार बढ़ती लागत से बचत घटती है, खर्च की प्राथमिकताएँ बदलती हैं और भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ती है। इसलिए महंगाई को केवल आर्थिक सूचकांक मानना अधूरा होगा। असली तस्वीर यह है कि एक सामान्य परिवार अपनी आय से कितना भोजन, ईंधन, शिक्षा और बचत सुरक्षित रख पा रहा है। यही महंगाई का वास्तविक असर है।

आम आदमी की परेशानी समझने का सबसे सीधा रास्ता उसकी रसोई से होकर जाता है। बड़ी घोषणाओं की सफलता तभी मानी जाएगी, जब रोजमर्रा की जरूरी चीजें उसकी पहुँच में रहें। नियंत्रण की बातें तभी भरोसा जगाएँगी, जब उनका असर बाजार में दिखे। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के लिए चीनी, तेल, दाल, दूध और सब्जियाँ मामूली वस्तुएँ नहीं, बुनियादी जरूरतें हैं। इनके दाम बढ़ते हैं तो सबसे पहले भोजन, फिर बचत और अंततः भविष्य प्रभावित होता है। आम आदमी को भाषण नहीं, राहत चाहिए। उसकी आवाज आँकड़ों में नहीं, थाली में सुननी होगी। जब तक जरूरी चीजें उसकी पहुँच में नहीं आतीं, महंगाई पर नियंत्रण का दावा अधूरा रहेगा।

मुलुंड में संपन्न हुआ एनीमेशन के रचनात्मक उत्कृष्टता के 30 साल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड पूर्व के आरआर सभागृह में एप्टेक लि. के एनीमेशन, गेमिंग, विजुअल इफेक्ट्स और डिजिटल मीडिया शिक्षा ब्रांड अरेना एनीमेशन नेएंगेजमेंट प्लेटफॉर्म 'पर्सपेक्टिव्स 2026' के मुंबई संस्करण का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में 1000 से अधिक छात्रों के साथ उद्योग जगत के विशेषज्ञों, रचनात्मक पेशेवरों और फिल्म एवं मनोरंजन क्षेत्र की हस्तियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर क्रिएटिव प्रोफेशन पर विशेषज्ञों ने छात्रों से संवाद किया. कार्यक्रम में अभिनेता डॉ. अमित बहल, शांतनु माहेश्वरी, आदित्य देशमुख तथा निर्देशक, डिजाइनर और एनिमेटर वैभव मोरे प्रमुख रूप से शामिल हुए। छात्रों को एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग, फिल्म मेकिंग और डिजिटल कंटेंट निर्माण में भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी गई. आयोजन में कीनोट सेशन, एआई डेमो, सेलिब्रिटी इंटरैक्शन और टैलेंट शोकेस के साथ 'अरीना'ज गॉट टैलेंट', कॉस्प्ले रैंप वॉक, इंटरैक्टिव और 'खाऊ गली' जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं. साथ ही एप्टेक के डायरेक्टर संदीप वेलिंग ने बताया कि एआई और डिजिटल तकनीक के कारण क्रिएटिव इंडस्ट्री तेजी से बदल रही है।

मनपा अस्पतालों में अत्याधुनिक सुविधाओं को मुहैया कराया जाय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बरसात के इस मौसम में मुंबई में मलेरिया , टायफाइड डेंगू और गैस्ट्रो (पेट की बीमारियां) के मामले बढ़ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जुलाई और अगस्त महीने में मलेरिया, डेंगू के मरीज निरन्तर बढ़ते जा रहे हैं। इन बीमारियों की रोकथाम के लिए मुंबई के के.एम., सायन, गोवंडी के शताब्दी, घाटकोपर के राजावाड़ी , चेंबूर के मां अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को मुहैया कराने की मांग हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने की है। उन्होंने इस संदर्भ में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री, मुंबई मनपा आयुक्त का ध्यान आकर्षित कराया है। बता दें कि मलेरिया एनोफिलीज मच्छरों के कारण बढ़ रही है। मलेरिया से बचाव के उपाय जानकारों के मुताबिक मनपा के कीटनाशक विभाग ने मुंबई के विभिन्न इलाकों में मच्छरों के प्रजनन स्थलों का निरीक्षण किया है। इनमें से अनेक स्थानों पर मलेरिया मच्छरों के प्रजनन स्थल पाए गए हैं। वहीं हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने यह बताया कि पूर्वी उपनगर के कुर्ला, चेंबूर मानखुर्द, गोवंडी में सबसे ज्यादा झोपड़पट्टी है। जहां आए दिन बीमारियों का प्रकोप फैलता रहता है। किंतु दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इन इलाकों में सायन या के.एम. जैसा बड़ा अस्पताल नहीं है। गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों को इलाज के लिए मजबूरन राजावाड़ी या फिर देवनार के शताब्दी अस्पताल में जाना पड़ता है।जहां पर अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है। जिसके कारण मनपा अस्पतालों को अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराने की मांग राजा भाऊ सोनटक्के ने की है। उन्होंने आगे कहा कि मानसून के दौरान दूषित पानी और सड़क किनारे फेंके गए गंदे कचरे के कारण संक्रमण फैलता है। लक्षण दिखने पर मनपा के दवाखाने और अस्पतालों में जांच और उपचार कराना चाहिए। मनपा की ओर से चेंबूर, वासीनाका, माहुल गांव, गडकरी खदान सिंधी कैंप में , म्हाडा कॉलोनी, भारत नगर में निरंतर धुंआ फौहारणी और कीटनाशक दवाओं के छिड़काव की मांग सोनटक्के द्वारा की गई है।

गोरसई-सावंदे की खस्ताहाल सड़क को कंक्रीटीकरण के लिए सरपंच ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा क्षेत्र के गोरसई-सावंदे गांव को जोड़ने वाली करीब 300 से 400 मीटर लंबी सड़क खस्ताहाल होकर गड्ढों में तब्दील हो गई है। इससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन और दैनिक कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या को लेकर गोरसई ग्राम पंचायत के सरपंच सुदेश (अण्णा) गायकवाड़, पूर्व उपसरपंच सुभाष केणे और कल्पेश केणे के प्रतिनिधिमंडल ने भिवंडी मनपा महापौर नारायण चौधरी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गोरसई-सावंदे मार्ग का पूरी तरह सीमेंट-कंक्रीट निर्माण कराने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने महापौर के समक्ष सड़क की जर्जर स्थिति और नागरिकों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। इस दौरान सड़क निर्माण को लेकर विस्तार से चर्चा भी हुई। अब इस मांग पर मनपा प्रशासन क्या निर्णय लेता है, इस पर स्थानीय नागरिकों की नजर है।

मुंबई में शेयर ब्रोकरों के लिए पीएनबी की वन स्टाप ब्रांच आउटलेट

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने मुंबई में अपनी समर्पित स्टॉक ब्रोकर शाखा का उद्घाटन कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह शाखा प्रतिष्ठित बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) बिल्डिंग के ठीक सामने स्थित होने के कारण भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत रणनीतिक स्थान पर है। उद्घाटन समारोह पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के एमडी एवं सीईओ श्री सुंदररमन राममूर्ति तथा बीएसई क्लियरिंग लिमिटेड (बीएसईसीएल) की एमडी एवं सीईओ श्रीमती वैशाली बाबू की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

बोईसर-संजान शिव कांवड़ यात्रा में शिव भक्तों की उमड़ी भीड़

पालघर(उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल की ओर से आयोजित बोईसर-संजान शिव कांवड़ यात्रा रविवार 23 अगस्त 2026 को पूरे उत्साह व भक्तिभाव के साथ निकाली गई। पालघर जिले के बोईसर शहर, अवधनगर श्री दुर्गा माता शक्तिपीठ मंदिर से नारियल फोड़कर शंखनाद के साथ शुरू हुई कावड़ यात्रा बाणगंगा होते हुए संजान तक पहुंची। पिछले 19 वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा में इस बार हजारों शिवभक्त शामिल हुए। कांवड़ियों के हर हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा मार्ग शिवमय नजर आया। आयोजकों ने बताया कि पांच हजार से ज्यादा लोग शिव कावड़ यात्रा में शामिल हुए।

भगवा वस्त्रों में सजे कांवड़िए हाथों में गंगाजल से भरी कांवड़ लेकर अनुशासनपूर्वक यात्रा में आगे बढ़ते रहे। रास्ते में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। विभिन्न स्थानों पर सेवा शिविर लगाकर श्रद्धालुओं के लिए पानी, फल, अल्पाहार एवं विश्राम की व्यवस्था की गई। यात्रा में श्री 1008 श्री सरखंडीजी महाराज के कृपापात्र शिष्य श्री श्री आनंद जी महाराज, श्री काशीनाथ जी महाराज, परमानंद भारत जी महाराज, बाबा बालक दास, परमहंस श्री गिरी जी महाराज और श्री करिया बाबा सहित संत-महात्माओं की उपस्थिति रही। संतों ने श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के साथ सेवा, संस्कार, अनुशासन और समाजहित की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। संतों के आशीर्वचन से कांवड़ियों और

हर हर बम बम के जयकारे से गूंजा बोईसर शहर

श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। शिव कांवड़ यात्रा में महिलाओं और युवाओं ने भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। श्रद्धालु पूरे मार्ग में भक्ति गीतों और बोल बम के जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे। यात्रा के दौरान श्रद्धा, सेवा और अनुशासन का अनूठा संगम देखने को मिला। यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। पुलिस उपाधीक्षक दिनेश वैसाणे और बोईसर थाना प्रभारी सुनील जाधव के मार्गदर्शन में पुलिस कर्मियों ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन और आयोजकों के स्वयंसेवकों ने समन्वय के साथ व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम में विधायक विलास तरे, भाजपा पालघर जिलाध्यक्ष भरत राजपूत, वरिष्ठ नेता संजय ज. पाटील, जिला महासचिव अशोक वड़े, जिला सचिव सत्यप्रकाश सिंह, विवेक वड़े, आनंद धोडी, अंकुर राऊत, शिवसेना जिला प्रमुख वसंत चव्हाण, मुकेश पाटील, कांग्रेस नेता सुरेश चं. जाधव, सामाजिक कार्यकर्ता शोभनाथ त्रिपाठी, स्वामीनाथ पाण्डेय, दयाराम मिश्रा, एस.एस. तिवारी, नंदन मिश्रा, ललित माली, तुलसी राम केवट, आर.बी. सिंह, रवि सिंह, तुलसी छीपा, अमित सिंह जिलेदार वर्मा, सभासद जूली संजय बारी, वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश निराला सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे। विहिप के जिला मंत्री जयेश घरत, धमार्चार्य जिला प्रमुख मुकेश दुबे, विहिप के सह मंत्री चंदन सिंह, जिलाध्यक्ष महावीर जैन, एस पी सिंह, अरविंद सिंह, रामरंजन सिंह, गणेश राणा, मायाराम गुप्ता, रायसाहब यादव, निमोर्ही यादव सहित अनेक पदाधिकारी, समाजसेवी और कार्यकर्ता आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल हुए।आयोजक विहिप व बजरंग दल की ओर से यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, पुलिस प्रशासन, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों तथा स्थानीय नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया।

समाजसेवी लवकुश यादव का धूमधाम से मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। समाजसेवी लवकुश यादव का जन्मदिन दिव्या एंटरप्राइजेज के कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शुभकामनाएं देने आये एमएलसी को श्रीमद्भगवद्गीता एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी एवं मंत्री, गाजीपुर के काशीनाथ यादव, प्रथम न्याय न्यूज के संपादक सुभाष गजराज यादव, हार्दिक यादव, उत्तर-पश्चिम जिला सचिव रामजी यादव, घाटकोपर विधानसभा अध्यक्ष विजय यादव, राम यादव, व्यवसायी अवधराज यादव तथा दिव्या एंटरप्राइजेज के व्यवसायी चंद्रकांत यादव सहित अन्य अतिथियों ने भी समारोह में शामिल होकर लवकुश यादव को शुभकामनाएं दीं। उपस्थित लोगों ने लवकुश यादव के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। समारोह के माध्यम से आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया गया।

बोईसर में 461 अमराठी वाहन चालकों ने लिया व्यावहारिक मराठी भाषा का प्रशिक्षण

पालघर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के परिवहन विभाग, राज्य मराठी विकास संस्था, कोकण मराठी साहित्य परिषद तथा मुंबई मराठी साहित्य संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे मराठी भाषा पाठ्यक्रम अभियान के अंतर्गत बोईसर में अमराठी ऑटो-रिक्शा चालक-मालिकों, अन्य वाहनचालकों एवं अमराठी भाषी नागरिकों के लिए व्यावहारिक मराठी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले 461 अमराठी वाहनचालकों को अधिकृत प्रमाणपत्र प्रदान किये गये।

महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप बाबूराव सरनाईक की संकल्पना से संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अमराठी भाषी वाहनचालकों को मराठी भाषा का प्राथमिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना, दैनिक व्यवहार में मराठी के उपयोग को बढ़ावा देना तथा यात्रियों के साथ सहजता से मराठी में संवाद करने के लिए सक्षम बनाना है।

बोईसर केंद्र के माध्यम से आयोजित विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में अमराठी रिक्शा चालक-मालिकों एवं अन्य वाहनचालकों ने उत्साहपूर्वक सहभाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान उल्हास पाध्ये, डॉ. स्मिता माळवदे, अमित पाटील तथा प्रा. संजय घरत ने प्रशिक्षक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शनिवार, 22 अगस्त 2026 को चित्रालय, बोईसर स्थित सी.टी.ई.एस. संस्था के परिसर में आयोजित समारोह में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी 461 वाहनचालकों को प्रमाणपत्र वितरित किये गये। समारोह में सी.टी.ई.एस. संस्था के ट्रस्टी एवं संयुक्त मानद सचिव महेंद्रभाई शाह, सोलसर क्लब एवं लायंस क्लब की पूर्व अध्यक्षा छायाबेन शाह, लायंस क्लब की अध्यक्षा अनुसया पटेल, प्रा. सूरज अष्टेकर, प्रा. सुधीर भांडवलकर, केंद्र संचालक प्रा. संजय घरत तथा बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मराठी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के बाद रिक्शा एवं अन्य वाहनचालकों के लिए यात्रियों के साथ दैनिक व्यवहार में मराठी में संवाद करना आसान होगा।

कल्याण पूर्व में डॉक्टर से मरीज के बेटे ने की मारपीट, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

चेतन निर्मल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व स्थित भानु ज्योत हॉस्पिटल में डॉक्टर के साथ मरीज के बेटे द्वारा मारपीट किए जाने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। डॉक्टर योगेंद्र जैसवाल मरीज की बीमारी के संबंध में परिजनों को समझा रहे थे, तभी मरीज का बेटा विनीत देशमुख कथित तौर पर गुस्सा हो गया और विवाद मारपीट में बदल गया। कोलसेवाड़ी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, खबर लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी नही हुई थी,बताया जा रहा है कि मरीज ने खुद अपने बेटे को डॉक्टर के केबिन से बाहर जाने के लिए कहा था। हालांकि, कुछ समय

बाद वह दोबारा डॉक्टर के केबिन में पहुंचा और डॉक्टर के साथ मारपीट की। पूरी घटना अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

घटना के बाद अस्पताल परिसर में तनाव का माहौल बन गया। मामले की जानकारी मिलने पर कोलसेवाडी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हुए हमले के बाद एक बार फिर डॉक्टर के साथ मारपीट की घटना सामने आने से चिकित्सा क्षेत्र में नाराजगी है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं के बीच डॉक्टरों की सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर सामने आया है।

मराठी माणूस को शहर से बाहर करने की साजिश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी

◆मुर्धा गांव में तोड़फोड़ कार्रवाई पर मंत्री प्रताप सरनाईक नाराज; प्रशासन की मनमानी के खिलाफ मुख्यमंत्री से करेंगे शिकायत

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर में स्वतंत्रता-पूर्व काल से रह रहे भूमिपुत्र, आदिवासी और मराठी परिवारों के घरों पर महानगरपालिका द्वारा की गई एकतरफा और कठोर तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि पीढ़ियों से इस मिट्टी में रहने वाले भूमिपुत्रों को प्रशासनिक कार्रवाई के नाम पर बेघर करने की कोशिश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पत्रकार परिषद में मंत्री सरनाईक ने मुर्धा गांव में एक भूमिपुत्र के घर पर की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के दौरान करीब 100 पुलिसकर्मियों की मौजूदगी, घर में 14 वर्षीय बीमार बच्ची होने के बावजूद परिवार को पुलिस थाने ले जाना तथा कार्रवाई का विरोध करने वाले 200 से अधिक नागरिकों के खिलाफ मामले दर्ज करना गंभीर और चिंताजनक विषय है। भूमिपुत्रों के साथ भेदभाव का आरोप मंत्री सरनाईक ने आरोप लगाया कि एक ओर शहर में बड़े भूमाफियाओं और अवैध व्यावसायिक निमार्णों के खिलाफ

अपेक्षित कार्रवाई नहीं होती, जबकि दूसरी ओर पीढ़ियों से यहां रहने वाले मराठी भूमिपुत्रों के घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। उन्होंने इसे प्रशासन की कथित पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली बताते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को लेकर वे मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्रियों और नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव से प्रत्यक्ष मुलाकात करेंगे। साथ ही मीरा-भायंदर में प्रशासन पर दबाव डालकर काम कराने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की कथित मनमानी के संबंध में भी शिकायत की जाएगी। मंत्री ने कहा कि जांच में यदि महानगरपालिका के अधिकारी या पुलिसकर्मी दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

यह लड़ाई केवल एक घर की नहीं, भूमिपुत्रों की अस्मिता की है मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, मीरा-भायंदर का इतिहास इस क्षेत्र के भूमिपुत्रों और मराठी माणूस की अथक मेहनत पर खड़ा है। परिवार बढ़ने के कारण मूल गांव के किसी व्यक्ति ने अपने घर में चार दीवारें बढ़ा दीं तो उसे अवैध कहा जाता है, लेकिन शहर में दिनदहाड़े चल रहे भूमाफियाओं के अवैध अतिक्रमण कानूनी कैसे हो जाते हैं? उन्होंने प्रशासन और कुछ स्वार्थी जनप्रतिनिधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि मराठी माणूस को शहर से बाहर करने की किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। सरनाईक ने कहा कि भूमिपुत्र परिवारों के उजड़ने और उनके आंखों में आंसू देखने से वे बेहद आहत हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह लड़ाई केवल एक घर की नहीं, बल्कि भूमिपुत्रों की अस्मिता की लड़ाई है। मंत्री ने आरोप लगाया कि प्रशासन की मदद से आदिवासी भूमिपुत्रों और मराठी परिवारों को शहर से बाहर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे किसी भी प्रयास का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा और भूमिपुत्रों के न्याय के लिए वे मजबूती से आवाज उठाएंगे।

शिक्षाविद्, समाजसेवी तथा साहित्यकार वैद्य बी.बी. चौबे 'रसिक' को अमृत जीवन सम्मान

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। भारतीय सद्विचार मंच सभागृह में 'डॉ. आर.ए. तिवारी फाउंडेशन' की ओर से अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भायंदर निवासी शिक्षाविद् -अमर ज्योति ग्रुप ऑफ स्कूल्स एवं ज्युनिअर कॉलेज के संस्थापक, शब्दार्थ - एक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संयोजन के संस्थापक, तथा हिंदी के साहित्यकार, वैद्य बी बी चौबे 'रसिक' जी सहित कुल पांच विभूतियों को 'अमृत जीवन सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सलाहकार परिषद आर. ए. तिवारी फाउंडेशन

एवं समारोह के सदस्य डॉ. हृदयनारायण मिश्रा, अभय मिश्रा, आर टी आई विशेषज्ञ अनिल गलगली, श्रीकांत पांडेय और इंद्रमणि दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में ट्रस्टी शिवश्याम ए. तिवारी, डॉ. संदीप ए.तिवारी, मानवेंद्र एस. तिवारी और अनुराग एस. त्रिपाठी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह की अध्यक्षता डॉ. शिवश्याम तिवारी ने की, जबकि संचालन 'समन्वय संकल्प' साहित्यिक संस्था के अध्यक्ष अनिरुद्ध पांडेय ने किया। वैद्य बी बी चौबे 'रसिक' ने सम्मान के इस अवसर पर कार्यक्रम के संस्थापक डॉ राधेश्याम तिवारी के विगत कई वर्षों से किये जाने वाले कार्यों की प्रशंसा करते हुए सभी पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कि। इस अवसर पर पत्रकार सहित विशिष्ट साहित्य एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थित रहे।

राजस्थानी 36 कॉम एम्बुलेंस सेवा ग्रुप की महाबैठक संपन्न

रमेश प्रजापति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई, महाराष्ट्र की धरती पर मीरा रोड में राजस्थानी 36 कॉम एम्बुलेंस सेवा ग्रुप की एक भव्य महाबैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में उन्हें एम्बुलेंस एवं अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना था। बैठक में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े व्यवसायी भाइयों एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने 36 कॉम एम्बुलेंस सेवा ग्रुप के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सेवा करने और मानवता के इस कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक तथा शिवसेना नेता विक्रमप्रताप सिंह की प्रमुख

उपस्थिति रही। इस अवसर पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एम्बुलेंस सेवा ग्रुप को एक शववाहिका उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में यदि देश के किसी भी कोने में किसी जरूरतमंद परिवार को एम्बुलेंस सेवा की आवश्यकता होगी, तो एम्बुलेंस सेवा ग्रुप के माध्यम से परिवार को आवश्यक सहयोग के साथ उचित व्यवस्था उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। मानव सेवा के इस सराहनीय और अमूल्य कार्य के लिए उपस्थित सभी लोगों ने आयोजक कपिल परमार, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़ एवं अध्यक्ष रोहित सुतार का हृदय से आभार व्यक्त किया। बैठक के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे तन, मन और धन से एकजुट होकर 36 कॉम समाज की सेवा करेंगे तथा जरूरतमंद परिवारों की हर संभव सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। बैठक के पश्चात आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं समाजबंधुओं के लिए भव्य बाटी-चोखा-चूरमा का आयोजन किया गया, जिसका सभी ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। इस सामूहिक भोज ने आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक एकता को और मजबूत किया।

जनविकास ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्था का रजत जयंती समारोह सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। जनविकास ग्रामीण बिगरशेती सहकारी पतसंस्था लि., केलवे का रजत जयंती समारोह रविवार, 16 अगस्त 2026 को केलवे स्थित शितलाई मंगलधाम सभागृह में उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। संस्था के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष स्मरणिका का प्रकाशन भी किया गया। पर्यावरण दक्षता समिति के अध्यक्ष हिरेन पाटील के प्रमुख आतिथ्य में स्मरणिका का विमोचन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए संस्था के अध्यक्ष सूर्यकांत घरत ने कहा कि दिसंबर 2000 से कार्यरत संस्था ने 25 वर्षों की सफल यात्रा पूरी की है। यह उपलब्धि संस्था के सभासदों, शेयरधारकों, कर्जदारों, ठेवीदारों एवं हितचिंतकों के विश्वास और निरंतर सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं विश्वास के कारण संस्था प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकी है। इस अवसर पर उन्होंने संस्था से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। केलवे, पालघर, माहिम और सफाले क्षेत्र में संस्था से बड़ी संख्या में कर्जदार एवं शेयरधारक जुड़े हुए हैं। संस्था द्वारा उद्योग-व्यवसाय शुरू करने, मौजूदा कारोबार का विस्तार करने तथा जरूरत के समय आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरल प्रक्रिया एवं कम दस्तावेजों के आधार पर कर्ज सुविधा प्रदान की जाती रही है। विशेष रूप से केलवे बीच परिसर में होटल एवं पर्यटन व्यवसाय से जुड़े व्यवसायियों को संस्था द्वारा आर्थिक सहयोग दिया गया है। इससे स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण मदद मिली। इस सहयोग के लिए प्रफुल्ल पाटील ने संस्था के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। रजत जयंती वर्ष के दौरान संस्था ने आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई। संस्था की ओर से स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इसके अलावा शैक्षणिक संस्थाओं को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने, विद्यार्थियों को आवश्यक सहायता देने तथा जरूरतमंद एवं प्रतिभावान परिवारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करने जैसे सामाजिक उपक्रम भी चलाये गये।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

राजकीय बाल गृह में किशोरी की हत्या, पानी की बाल्टी में डुबोकर मारने का आरोप

मथुरा (उत्तरशक्ति)। वृंदावन राजकीय बाल गृह (बालिका) में 14 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। आरोप है कि साथी किशोरियों ने पानी से भरी बाल्टी में सिर डुबोकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद सीसीटीवी कैमरे तोड़ने का भी प्रयास किए जाने की बात सामने आई है।

बताया गया कि शुक्रवार को चैतन्य विहार स्थित बाल गृह के कमरा नंबर पांच के बाथरूम में शिवानी (14) अचेत अवस्था में मिली। बाल गृह की प्रभारी अधीक्षिका प्रगति खरे ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार घटना के समय आरोपी किशोरियां करीब 40

मिनट तक बाथरूम में रहीं। मामले में बाल गृह की प्रभारी अधीक्षिका की तहरीर पर पांच नामजद सहित अन्य किशोरियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मृतका मूल रूप से बरेली की रहने वाली थी और उसकी मां की मानसिक स्थिति खराब होने के कारण उसे प्रशासनिक संरक्षण में बाल गृह में रखा गया था। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने मौके का निरीक्षण किया। मामले की मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिए गए हैं।

शाहगंज में दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में वांछित नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को 23 अगस्त को ग्राम दनापुर से बेलवाई रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित एक खंडहरनुमा मकान के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अमित जायसवाल पुत्र राजेन्द्र जायसवाल, निवासी ग्राम दनापुर, थाना शाहगंज है। उसके खिलाफ थाना शाहगंज में मुकदमा अपराध संख्या 297/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 64(1), 351(3) और 333 में मुकदमा दर्ज था।

पुलिस के मुताबिक, 16 अगस्त की रात पीड़िता ने आरोपी पर घर की छत के रास्ते कमरे में घुसकर छेड़खानी और जबरन दुष्कर्म करने तथा विरोध करने पर जान-माल की धमकी देने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन समग्रह्ण के तहत हुई कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह और उपनिरीक्षक रामविलास, चौकी प्रभारी बीबीगंज, मय पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया।

सीएम योगी ने स्कूल रसोइयों को दिया डबल सौगात, बढ़ा मानदेय, मिला कैशलेस चिकित्सा कार्ड

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में मिड डे मील योजना में खाना बनाने वाले करीब 3.53 लाख रसोइयों को रविवार को डबल सौगात दी। रसोइयों का मानदेय 1000 रुपये प्रति महीने बढ़ा दिया है। उन्हें अब 2000 के स्थान पर 3000 रुपये मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी गई है। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में सीएम योगी ने रसोइयों को ये डबल सौगात देने के साथ ही एक नसीहत भी दी।

उन्होंने रसोइयों से कहा कि कोई भी विश्वासघात कर सकता है। यदि हमने लापरवाही की तो ये बच्चों के जीवन को खतरे में डाल में सकता है। सीएम योगी ने कहा कि यह ध्यान देना होगा कि कोई दुश्मन ऐसा काम न करने पाए जिससे आपके ऊपर किसी को संदेह करने का मौका मिले। रसोई में रसोइयों के अलावा किसी और को प्रवेश की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। साफ-सफाई का महत्व समझाते हुए सीएम योगी ने कहा कि कहीं कोई फूड प्वाइजनिंग न होने पाए इसके लिए सतर्क रहना होगा। गंदगी नहीं होनी चाहिए।

लापरवाही के चलते कहीं कोई कीड़ा या छिपकली आदि भोजन में न गिरने पाए। कोई भी व्यक्ति आपकी सुरक्षा और मासूम बच्चों के जीवन के साथ विश्वासघात कर सकता है। सतर्क रहना होगा। सीएम योगी ने कहा कि मिड डे मील के तहत बेसिक शिक्षा परिषद के 1.42 लाख स्कूलों में अध्ययनरत करीब डेढ़ करोड़ बच्चों के लिए अलग-अलग दिन अलग-अलग प्रकार के आहार देने की बहुत अच्छी व्यवस्था बनाई गई है।

पुलिस का बड़ा अभियान, 88 आरोपियों किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में जिले के 28 थानों की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 88 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में 6 वांछित और 82 एनबीडब्ल्यू वारंटी शामिल हैं। अभियान के दौरान कोतवाली, लाइन बाजार, जफराबाद, शाहगंज, खेतासराय, खुटहन, सरपतहां, केराकत, चंदवक और जलालपुर समेत विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की गई।

थानावार कार्रवाई में खेतासराय से 9, खुटहन से 7, जलालपुर से 6, चंदवक व सरपतहां से 5-5 तथा कोतवाली, तेजीबाजार और रामपुर से 4-4 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक कानून-व्यवस्था मजबूत करने और फरार व वारंटी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दुद्धी कोतवाली की कमान विश्वनाथ प्रताप सिंह को, धर्मेंद्र सिंह राबर्ट्सगंज भेजे गए

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कानून-व्यवस्था को लेकर किया फेरबदल, नए कोतवाल ने संभाला कार्यभार

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने पुलिस विभाग में फेरबदल किया है। इसके तहत दुद्धी कोतवाली की कमान विश्वनाथ प्रताप सिंह को सौंपी गई है, जबकि दुद्धी के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह का स्थानांतरण राबर्ट्सगंज कर दिया गया है।

स्थानांतरण के बाद विश्वनाथ प्रताप सिंह ने दुद्धी कोतवाली पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने

तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कराने को अपनी प्राथमिकता बताया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा किए गए इस फेरबदल को क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नए प्रभारी निरीक्षक के सामने अपराध नियंत्रण के साथ पुलिस गश्त को प्रभावी बनाने और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत करने की चुनौती रहेगी।

वहीं, धर्मेंद्र सिंह को राबर्ट्सगंज की जिम्मेदारी मिलने के बाद पुलिस महकमे में स्थानांतरण को लेकर चर्चा रही। अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम कानून-व्यवस्था को लेकर सक्रियता बढ़ाने में जुटी है।

नए कोतवाल के कार्यभार संभालने के बाद क्षेत्रवासियों की निगाहें अब दुद्धी की कानून-व्यवस्था और पुलिस की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

केराकत के धरौरा गांव में हादसा, रेलवे पटरी पार करते समय हुआ हादसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के धरौरा गांव में रविवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से 65 वर्षीय बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि धरौरा गांव निवासी शिवलोचन यादव रविवार सुबह करीब आठ बजे शौच के लिए घर के सामने स्थित रेलवे लाइन की पटरी पार कर रहे थे। इसी दौरान आनंद विहार से गाजीपुर सिटी जा रही सुहेलदेव एक्सप्रेस पोल संख्या 34/28 के पास पहुंच गई। जब तक शिवलोचन कुछ समझ पाते, वह ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। बताया गया कि शिवलोचन यादव के इकलौते पुत्र सतीश यादव हैदराबाद में रहकर रोजी-रोटी कमाते हैं और वहीं अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पिता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।

खुटहन में विदेशी शराब की दुकान में लगी भीषण आग, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

ग्रामीणों की मदद से आग पर पाया गया काबू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन अंतर्गत ग्राम डिहियाँ कंपोजिट शराब की दुकान में लगी भीषण आग कर्म का पता नहीं चल पाया है बताया जा रहा है कि 60 सर्किट से भी सड़क लग गई दुकान में रात 12:01 बजे के बीच में बड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया ग्रामीणों की मदद से ग्रामीणों ने बताया कि बगल में चखने की दुकान गोनती मे शॉर्ट सर्किट से आग लगने के बाद कंपोजिट दुकान में आग बढ़ गई देखते ही देखी आज की लपटे ऊपर उठने लगी उसके बाद पिरामिड कथा होकर किसी तरीके से आज पर काबू पाया किसी की भी जान जाने की खबर नहीं है।

कृष्ण जन्माष्टमी और बारावफात को लेकर कोन थाने में पीस कमेटी की बैठक

कोन/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। आगामी कृष्ण जन्माष्टमी एवं बारावफात पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं, ग्राम प्रधानों तथा दोनों समुदायों के गणमान्य लोगों से संवाद किया गया। प्रभारी निरीक्षक ने सभी से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की। इस दौरान जुलूस, धार्मिक कार्यक्रमों, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित न करने की अपील की। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा गया।

फ्लोरोसिस प्रभावित क्षेत्रों में हर घर नल योजना पर सवाल, ग्रामीणों का प्रदर्शन

सुशील कुमार तिवारी

कोन/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जल जीवन मिशन की हर्रा-कदरा ग्राम समूह पेयजल योजना के तहत नियमित पानी नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने रविवार को कुड़वा के पांडुचट्टान में जोरदार प्रदर्शन किया। समाजसेवी गंगा प्रसाद यादव की अगुवाई में ग्रामीणों ने जल निगम और कार्यदायी संस्था के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि कई गांवों में कनेक्शन होने के बावजूद वर्षों से नलों में पानी नहीं आया है। लोग आज भी नदी-नाले और चुआंड़ का पानी पीने को मजबूर हैं। पाइपलाइन की गुणवत्ता और योजना के कार्यों की जांच कराने की भी मांग की गई।

जिला पंचायत सदस्य छविंद्र नाथ समेत ग्रामीणों ने कहा कि फ्लोरोसिस प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल नहीं मिलने से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जल निगम के एई ममूर अली ने बताया कि करीब 20-25 गांवों में जलापूर्ति शुरू हो चुकी है। कुछ स्थानों पर पाइप क्षतिग्रस्त होने के कारण समस्या है, जिसे जल्द ठीक कर नियमित जलापूर्ति बहाल कराई जाएगी।

87.68 मीटर भाला फेंक रोहित यादव ने जीता स्वर्ण, जौनपुर का बढ़ाया मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के स्टार जैवलिन थ्रोअर रोहित यादव ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए जौनपुर का नाम रोशन किया है। विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर मीट-2026 में रोहित ने 87.68 मीटर का शानदार थ्रो करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में रोहित ने दमदार प्रदर्शन के साथ प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से जौनपुर के खेल प्रेमियों और युवाओं में खुशी की लहर है।

रोहित यादव की सफलता पर जिले के खेल प्रेमियों, युवाओं और शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बोलेरो की टक्कर से दंपती की मौत, परिवार में मातम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना क्षेत्र के कालिंजर मोड़ के पास रविवार को तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आने से बुलेट सवार दंपती की मौत हो गई। हादसे में पत्नी रीता देवी (35) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति रमेश गौतम (29) ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों सुल्तानपुर के गोसाईगंज क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव से जौनपुर के खेतासराय क्षेत्र स्थित शाहपुर में रिश्तेदारी में आयोजित शोक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। हादसे के बाद पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में ले लिया है। मृतक दंपती के दो पुत्र रवि (18) और रितेश (16) हैं। माता-पिता की मौत से दोनों बेटों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार में मातम पसरा हुआ है।

16.47 लाख लाभार्थियों की ई-केवाईसी बाकी, डीएम ने जल्द पूरा कराने के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में रविवार देर शाम खाद्य एवं रसद विभाग की आपूर्ति शाखा से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में राशन कार्ड, ई-केवाईसी, उचित दर दुकानों, अन्नपूर्णा भवनों और चीनी के भंडारण एवं मूल्य की स्थिति की समीक्षा की गई।

अधिकारियों ने बताया कि जिले में कुल 8,45,215 राशन कार्डों में शामिल 34,88,572 लाभार्थियों में से 33,23,795 लाभार्थियों की ई-केवाईसी पूरी हो चुकी है। शेष 1,64,777 लाभार्थियों की ई-केवाईसी जल्द पूरा कराने के निर्देश डीएम ने दिए।

जिले में रिक्त पड़ी 27 उचित दर दुकानों के संबंध में जिलाधिकारी ने सभी खंड विकास अधिकारियों और पूर्ति निरीक्षकों को नियमानुसार खुली बैठक कराकर 15 दिनों के भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने को कहा। वहीं निलंबित चल रही 9 उचित दर दुकानों पर भी जल्द निर्णय लेकर आगे की कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में निमार्णाधीन मॉडल शॉप और अन्नपूर्णा भवनों की भी समीक्षा हुई। डीएम ने बताया कि 24 ग्राम पंचायतों में अन्नपूर्णा भवन पूरी तरह बनकर तैयार हैं। इनके

नियमानुसार हस्तांतरण के बाद सितंबर 2026 का खाद्यान्न उठान और वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा 33 ग्राम पंचायतों में अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण अंतिम चरण में है। इनमें केवल फिनिशिंग का काम बाकी है, जिसे एक सप्ताह में पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

चीनी के भंडारण और बाजार मूल्य पर भी जिलाधिकारी ने कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। अधिकारियों को लगातार निरीक्षण और छापेमारी करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि चीनी निर्धारित मानक मूल्य से अधिक कीमत पर न बिके।

डीएम ने सिंगल स्टेज व्यवस्था के तहत उचित दर विक्रेताओं को निर्धारित जियोफेंस पर ही खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए सभी परिवहन ठेकेदारों को आवश्यक निर्देश देने को कहा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, एफसीआई व सीडब्ल्यूसी के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और परिवहन ठेकेदारों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

116.86 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, गैंग के सरगना समेत 4 गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में साइबर क्राइम सेल और थाना चेतगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने कमीशन का लालच देकर लोगों के नाम पर फर्म खुलवाकर बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और बेटिंग एप में करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गैंग के सरगना रोहतास सासाराम बिहार निवासी नीतीश कुमार पाण्डेय समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में आरोपियों से जुड़े 41 बैंक खातों पर 143 NCRP शिकायतें मिलीं, जिनमें करीब 116.86 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी सामने आई है। आरोपी XePay APK के जरिए SMS Forwarding सक्रिय कर OTP हासिल कर ठगी की रकम को अलग-अलग खातों में घुमाते थे। पुलिस ने 7 मोबाइल, लैपटॉप, 19 चेकबुक, 40 डेबिट कार्ड, 48 QR स्कैनर समेत दो वाहन बरामद किए हैं।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने राज्यमंत्री को बांधा रक्षा सूत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय संस्थान जौनपुर की बहनों ने रविवार को राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार गिरीश चंद्र यादव के कार्यालय पहुंचकर उन्हें रक्षा सूत्र बांधा। इस दौरान बहनों ने राज्यमंत्री को भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और सकारात्मक संकल्प से जुड़े संदेश भी दिए।

रविवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी बहनों ने राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव को रक्षा सूत्र बांधकर मिठाई खिलाई। इसके बाद बहनों ने राज्यमंत्री को कुछ सूत्रवाक्य लिखे हुए कार्ड दिए और उनमें से किसी एक कार्ड का चयन करने के लिए कहा।

राज्यमंत्री ने एक कार्ड का चयन किया। जब बहनों ने कार्ड खोलकर उस पर लिखा संदेश पढ़ा तो उसमें लिखा था–'आप असंभव

कार्य को भी दृढ़ निश्चय के साथ पूरा करेंगे।' यह संदेश सुनते ही पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मौके पर मौजूद लोगों ने इसे दृढ़ संकल्प, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का प्रेरणादायक संदेश बताया। इस अवसर पर बीके रुचि, बीके संगीता, बीके विनीता और बीके सुनीता सहित ब्रह्माकुमारी बहनों ने राज्यमंत्री को रक्षा सूत्र बांधा और मिठाई खिलाई। इसके पश्चात कार्यालय प्रभारी ब्रह्मेश शुक्ला, पीआरओ मनीष श्रीवास्तव, स्टाफ आशुतोष अस्थाना, आकाश समेत कार्यालय के अन्य कर्मचारियों को भी रक्षा सूत्र बांधकर मिठाई खिलाई गई।

जोनल स्तरीय निरंकारी इंग्लिश मीडियम समागम का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की प्रेरणा से निरंकारी इंग्लिश मीडियम समागम देशभर में आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मड़ियाहूं पड़ाव स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन के प्रांगण में जोनल स्तरीय इंग्लिश मीडियम समागम आयोजित किया गया। जिसमें जनपद के 43 शाखाओं से बच्चों ने बहनों ने और महापुरुषों ने भाग लिया।

इस समागम में उपस्थित विशाल संत समूह को संबोधित करते हुए प्रयागराज से आए महात्मा रवित जी (केंद्रीय प्रचारक) ने कहा कि मानव तन में आकर परमात्मा की जानकारी करना ही उत्तम कर्म है। इसके बाद ही भक्ति प्रारंभ होती है। परमात्मा की जानकारी के बाद ही इंसान के व्यवहार और बोली में बदलाव आता है, जीवन में नम्रता आती है। सत्संग से जीवन में भक्तों वाले गुणों का समावेश होता है। अंग्रेजी भाषा के द्वारा भी सत्य संदेश को मानव मात्र तक पहुंचाया जा सकता है। नौजवानों को अंग्रेजी माध्यम के सत्संग से जुड़े रहने का अति आवश्यकता है। इससे अंग्रेजी भाषा के प्रति संकोच दूर होगा।

◆ सत्संग से ही जीवन में आता है निखार

उन्होंने निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन संदेशों को बताते हुए कहा कि भाषा समझ में

आए या न आए लेकिन जो इंसान की अभिव्यक्ति होती है वह अपने आप में ही एक भाषा होती है। सबसे ज्यादा भाषा वही महत्व रखती है जो प्यार की भाषा है। जिसमें प्रेम प्रकट किया जाता है, वही भाषा सबसे उत्तम भाषा है। अंग्रेजी भाषा एक सर्वभौमिक भाषा है विश्वभर में अंग्रेजी भाषा को बोलने वालों की संख्या काफी अधिक है।

उन्होने कहा कि मनुष्य की संगत ही उसके जीवन का नक्शा बनाती है, उसको चलाती है। यदि मनुष्य बुरे कर्म करने वालों की संगत करेगा तो उसमें बुरे कर्म आएंगे। लेकिन यदि मनुष्य संतों महात्माओं की संगत करता है तो उसके जीवन में अच्छे गुण प्यार विनम्रता विशालता आदि सहित अन्य दैवीय गुण जीवन में प्रवेश होने शुरू हो जाते हैं। इंटरनेशनल भाषा होने के कारण सद्गुरु ने इंग्लिश मीडियम समागम जगह-जगह करा रहे हैं। कार्यक्रम में सतगुरु माताजी का संदेश भजनो, समूह गीतों, कविताओं व विचारों के माध्यम से दिया गया। अमरनाथ विश्वकर्मा (जोनल इंचार्ज) ने आए हुए संगत का स्वागत, आभार व धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में निरंकारी सेवा दल के सदस्यों ने भरपूर योगदान दिया।

निर्मला कॉन्वेंट की पलक ने जीता रजत, सेंट जोसेफ की आराध्या और आर्य ने भी चमकाया सोनभद्र

सीबीएसई ईस्ट जोन ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जिले की बेटियों का शानदार प्रदर्शन, राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया क्वालीफाई

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सीबीएसई ईस्ट जोन ताइक्वांडो प्रतियोगिता में सोनभद्र के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। भदोही के सुरियावां स्थित बीपीएमजी पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के विभिन्न विद्यालयों के करीब 1400 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में सोनभद्र ताइक्वांडो एसोसिएशन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों ने भी प्रतिभाग किया। निर्मला कॉन्वेंट स्कूल, रेणुकूट की छात्रा पलक शर्मा ने अंडर-19 बालिका वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई और रजत पदक हासिल किया। इसके साथ ही उन्होंने सीबीएसई राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।

वहीं सेंट जोसेफ स्कूल, शक्तिनगर की छात्राएं आराध्या सिंह और आर्य सिंह ने भी अंडर-19 महिला वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो रजत पदक अपने नाम किए। तीनों खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की कर सोनभद्र को गौरवान्वित किया है। अब पलक शर्मा, आराध्या सिंह और आर्य सिंह आगामी 20 से 24 सितंबर 2026 तक हरियाणा के पानीपत स्थित बाल विकास प्रोग्रेसिव स्कूल में आयोजित होने वाली सीबीएसई राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता-2026 में सोनभद्र का प्रतिनिधित्व करेंगी।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर सोनभद्र ताइक्वांडो एसोसिएशन के चेयरमैन असीम कुमार दत्ता एवं अध्यक्ष आरपी सिंह ने बधाई और शुभकामनाएं दीं। चेयरमैन ने महिला खिलाड़ियों की उपलब्धि को विशेष रूप से सराहते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन देने की बात कही।

संस्था के सचिव संतोष कुमार यादव ने कहा कि सोनभद्र ताइक्वांडो एसोसिएशन बच्चों और महिलाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने तथा उन्हें मानसिक एवं शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जिले के खिलाड़ियों की सफलता इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। इस उपलब्धि पर संस्था के संरक्षक मुकुल श्रीवास्तव, उत्तम जायसवाल, आशीष श्रीवास्तव, राजीव सिन्हा, उपाध्यक्ष कमलेश सिंह सहित अन्य सदस्यों ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

गायत्री परिवार द्वारा युवा चेतना कार्यशाला का आयोजन

जमुआ (उत्तरशक्ति)। जनपद में परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा एवं अखंड दीप शताब्दी वर्ष के अवसर पर शताब्दी समारोह 2026 के अंतर्गत गायत्री परिवार, बघवां, जमुआं, मीरजापुर में युवा चेतना कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का मुख्य विषय चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण रहा। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में नैतिक मूल्यों, राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा की भावना को जागृत करना रहा। इस दौरान युवाओं को गायत्री परिवार के विचारों और युग निर्माण की संकल्पना से अवगत कराया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संजय सिंह, विशिष्ट अतिथि शशि भूषण सिंह, हरिहर सिंह पटेल, इंदुमती मिश्रा, अंजना पराशर, दिनेश चंद्र गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अध्यक्षता नागेन्द्र नारायण द्विवेदी ने की। कार्यक्रम प्रभारी बृजेश द्विवेदी, संरक्षक जय नारायण द्विवेदी और व्यवस्थापक राम नारायण पटेल रहे।

जन औषधि केंद्र का उद्घाटन सम्पन्न

नालासोपारा। नालासोपारा पश्चिम के श्रीप्रस्थ क्षेत्र में जन औषधि केंद्र का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर नालासोपारा विधायक राजन नाईक, वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, कॉर्पोरेटर श्रीमती नमिता प्रीतेश पवार, कॉर्पोरेटर जितेंद्र पाटिल तथा कॉर्पोरेटर श्रीमती रसिका धागे उपस्थित रहे।

आम नागरिकों को अच्छी गुणवत्ता की दवाएं सस्ते दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह जन औषधि केंद्र क्षेत्र के लोगों के लिए निश्चित रूप से उपयोगी साबित होगा। इस केंद्र के माध्यम से लोगों को किफायती दरों पर आवश्यक दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने आयोजकों को इस महत्वपूर्ण पहल के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि आम लोगों को आसानी से और कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इस प्रकार के प्रयास बेहद आवश्यक हैं। जन औषधि केंद्र आम नागरिकों के स्वास्थ्य और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए एक सराहनीय कदम है।

जौनपुर: रील बनाने के चक्कर में गोमती में खतरनाक स्टंट, युवकों का वीडियो वायरल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर वायरल होने की चाहत में युवा जान जोखिम में डालने से भी नहीं हिचक रहे हैं। रविवार शाम सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में जौनपुर के सद्भावना पुल के पास गोपी घाट पर कुछ युवक गोमती नदी में खतरनाक स्टंट करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दो युवक एक युवक के हाथ-पैर पकड़कर उसे हवा में लहराते हुए नदी में फेंकते नजर आ रहे हैं। इसके बाद करीब सात युवक एक-एक कर गोमती नदी में छलांग लगाते दिखाई देते हैं। बारिश के मौसम में नदी का जलस्तर और बहाव बढ़ने के बावजूद युवकों की यह लापरवाही बेहद खतरनाक है। कुछ सेकंड की रील और चंद लाइक-कमेंट के लिए नदी में इस तरह स्टंट करना कभी भी जानलेवा साबित हो सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से गोमती नदी के घाटों पर निगरानी और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। वायरल वीडियो के बाद अब पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर नजर है। सवाल यह भी है कि सोशल मीडिया की सनक में युवाओं को अपनी जान जोखिम में डालने से रोकने के लिए प्रशासन कब ठोस कदम उठाएगा।

किसना ने औरंगाबाद में अपने एक्सक्लूसिव शोरूम का किया शुभारंभ

औरंगाबाद(उत्तरशक्ति)। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने औरंगाबाद के एम जी रोड स्थित महेश एकेडमी स्कूल के सामने अपने 20वें एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। शोरूम का उद्घाटन हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया एवं किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर अभय कुमार सिंह के द्वारा किया गया। यह लॉन्च बिहार में किसना के रिटेल विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस भव्य लॉन्च के अवसर पर किसना अपने ग्राहकों के लिए विशेष उद्घाटन ऑफर लेकर आया है। ग्राहकों को डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 100 प्रतिशत तक की छूट और गोल्ड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसके अलावा, ग्राहक अपना पुराना सोना एक्सचेंज कर डायमंड ज्वेलरी की खरीद पर 105 प्रतिशत वैल्यू प्राप्त कर सकते हैं। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि बिहार में ग्राहकों की बढ़ती आकांक्षाएं और तेजी से बदलता ज्वेलरी रिटेल बाजार इसे किसना की विस्तार रणनीति के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बनाते हैं। बिहार में हमारा 20वां एक्सक्लूसिव शोरूम औरंगाबाद में शुरू होना राज्य के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा मार्गदर्शन हर घर किसना के विजन से होता रहेगा, जिसका उद्देश्य भारतीय घरों तक गुणवत्तापूर्ण डायमंड ज्वेलरी को सुलभ बनाना है। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ पराग शाह ने कहा कि हमें औरंगाबाद में बिहार के अपने 20वें एक्सक्लूसिव शोरूम को लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है। हमारा उद्देश्य ग्राहकों को ज्वेलरी की खोज और खरीदारी का एक बेहतर एवं शानदार अनुभव प्रदान करना है। इसके लिए हम आधुनिक डिजाइन, सोच-समझकर तैयार किए गए कलेक्शंस और ग्राहकों की बदलती पसंद के अनुरूप एक प्रीमियम शोरूम अनुभव उपलब्ध करा रहे हैं। किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर अभय कुमार सिंह ने कहा कि किसना जैसे ब्रांड के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है, जो विश्वास, गुणवत्ता और नवाचार की मजबूत नींव पर स्थापित है। हम ग्राहकों के लिए एक पसंदीदा ज्वेलरी डेस्टिनेशन बनने और औरंगाबाद के बेहतरीन ज्वेलरी स्टोर्स में किसना को स्थापित करने की दिशा में काम करने के लिए उत्साहित हैं। समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप किसना ने शोरूम के उद्घाटन के अवसर पर जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन वितरण अभियान भी आयोजित किया। इसके साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के समर्थन में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान और रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।

केराकत के लव सोनकर का उत्तर प्रदेश की फुटबॉल टीम में चयन

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहल्ला शेखजादा निवासी पिंटू सोनकर के पुत्र लव सोनकर का डॉ. बीसी राय 19 वर्षीय राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए उत्तर प्रदेश की टीम में चयन हुआ है। मऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ की 19 वर्षीय स्टेट फुटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन किया गया। राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता 25 अगस्त से बेंगलुरु में आयोजित होगी, जिसमें लव सोनकर उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। लव केराकत फुटबॉल एकेडमी सिझवारा के खिलाड़ी रहे हैं और वर्तमान में स्पोर्ट्स हॉस्टल बरेली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। लव को फुटबॉल का प्रशिक्षण देने में संतराम निषाद, प्रेम नारायण यादव, रुपेश शर्मा तथा मुख्य रूप से एनआईएस फुटबॉल कोच मनीष निषाद का विशेष योगदान रहा है। उनके चयन पर केराकत फुटबॉल एकेडमी सिझवारा के अध्यक्ष राजेश कुमार साहू (राजू), फौजी सुबाष यादव, उपाध्यक्ष अरविंद यादव, संरक्षक वली मोहम्मद खान, कयाम खान, पारस, वीरू यादव, प्रो. मनीष सोनकर, नवनीत यादव, पप्पू यादव, सुभाष यादव, चंद्रशेखर यादव, सूरज कनौजिया, विनोद साहू, सुनील कनौजिया, डॉ. प्रमोद यादव, राम कुमार यादव, मेराज कुरैशी, प्रदुम यादव, मोहम्मद कैश खान, टीम मैनेजर आशीष निषाद सहित एकेडमी के खिलाड़ियों और क्षेत्रवासियों ने बधाई दी। एकेडमी के पदाधिकारियों ने बताया कि सिझवारा मैदान पर बच्चों को नियमित फुटबॉल प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान में एकेडमी के चार खिलाड़ी प्रदेश के विभिन्न स्पोर्ट्स हॉस्टलों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं।

चरक जयंती सप्ताह के अंतिम दिन विद्यार्थियों को दी स्वास्थ्य परक जानकारी

चरक संहिता आयुर्वेद का मूल आधार, स्वस्थ जीवन की राह दिखाती है: डॉ. राजेंद्र कुमावत

उदयपुरवाटी। कस्बे की गांधी नव जीवन सीनियर सैकेंडरी स्कूल में चरक जयंती सप्ताह के अंतिम दिन शनिवार को आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन के बैनर के तले वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र कुमावत ने स्कूल के विद्यार्थियों को आयुर्वेद सम्मत स्वास्थ्य परक जानकारियां देते हुए कहा कि आचार्य चरक भारतीय चिकित्सा परंपरा के इतिहास में सूर्य की तरह प्रकाशमान है। चरक जयंती केवल किसी महान व्यक्ति की जयंती मनाने का अवसर नहीं है,अपितु यह हमे स्वास्थ्य,अनुशासन, प्रकृति और मानवीय सेवा के प्रति अपने कर्तव्यों को याद करने का अवसर देती है। डॉ .कुमावत ने बताया कि आचार्य चरक को आयुर्वेद के महान आचार्यों की अग्रणीय पंक्ति में गिना जाता है। उनके ज्ञान और चिंतन का अमूल्य संकलन है चरक संहिता है और यही आयुर्वेद का आधार भी है। आज जिसको मेडिसिन (काय चिकित्सा) के नाम से जानते है,वही वर्षों से चरक संहिता के नाम से जानी जाती रही है। यह केवल औषधियों की पुस्तक नहीं अपितु स्वस्थ जीवन जीने की संपूर्ण जीवन दृष्टि प्रस्तुत करती है। इसमें चिकित्सा का वास्तविक उद्देश्य बताते हुए कहा है कि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना ओर रोगी के रोग दूर करना है। चरक आचार्य की परम्परा हमे यह भी सिखाती है कि चिकित्सा केवल पेशा नहीं बल्कि मानव सेवा का माध्यम है।

चरक जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों को दैनिक चर्या, आहार-विहार एवं जीवन शैली के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य चरक ने प्रकृति और मानव स्वास्थ्य के बीच गहरे सम्बन्ध को समझाया था, इसलिए इस जयंती का सार्थक बनाते हुए हमें प्रण लेना चाहिए कि हम इस धरा पर एक पेड़ जरूर लगाएंगे,औषधीय पौधों की रक्षा करेंगे,पानी को बचाएंगे,प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का उपयोग कम करेंगे और प्रकृति को अपना परिवार समझेंगे। चरक जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. राजेंद्र कुमावत ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों एवं स्वस्थ जीवनशैली के बारे भी में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान चल रहे इस चरक सप्ताह के संदर्भ में उन्होंने कहा कि चरक संहिता आयुर्वेद का एक महत्वपूर्ण आधार ग्रंथ है, जिसमें रोगों के उपचार के साथ-साथ स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य संरक्षण और दीर्घायु जीवन जीने के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्धांतों का वर्णन भी मिलता है।

डॉ. कुमावत ने कहा कि आज का युग तेज रफ्तार, तनाव,अनियमित दिनचर्या, जंक फूड,मोबाइल एवं उसकी स्क्रीन के अत्यधिक उपयोग तथा शारीरिक

श्रम की कमी का युग बनता जा रहा है। ऐसे समय में हजारों वर्ष पूर्व आयुर्वेद द्वारा बताई गई दैनिक चर्या,ऋतु चर्या,आहार-विहार और संयमित जीवनशैली की उपयोगिता ऐसे में और भी बढ़ जाती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए केवल बीमारी होने पर दवा लेना पर्याप्त नहीं है,बल्कि बीमारी से बचाव और स्वास्थ्य संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाना भी आज के दौर में आवश्यक है। आयुर्वेद हमें प्रातःकाल समय पर उठने,शरीर एवं इंद्रियों की स्वच्छता रखने, हस्त प्रक्षालन विधि, नियमित व्यायाम एवं योग करने,शरीर पर ऋतु अनुसार तेल मालिश करने की और उचित समय पर संतुलित भोजन करने तथा पर्याप्त नींद लेने की प्रेरणा देता है इसके अलावा ऋतुनुसार पहनने ओढ़ने का सलीका भी आयुर्वेद हमे सिखाता है। हितभूक, मितभूक व रितभुक का अर्थ बताते हुए उन्होंने हितकर आहार को ही स्वास्थ्य की पहली सीढ़ी बताया और कहा- आहार के अधीन ही आरोग्य होता है,इसलिए जो भी खाओ, सोच - समझकर खाओ, भोजन इतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में।

डॉ. कुमावत ने जोर देकर कहा कि विद्यार्थियों को अपने भोजन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि बढ़ती उम्र में ये आवश्यक भी है और मात्रा की जरूरत के हिसाब से भी होना चाहिए। भोजन ताजा, सुपाच्य, संतुलित और अपनी प्रकृति व जरूरत के अनुरूप ही होना चाहिए। अत्यधिक तले-भुने खाद्य पदार्थ, डिब्बाबंद व पॉली पैक,फास्ट फूड,अधिक मीठे एवं पैकेज्ड खाद्य पदार्थों से दूरी बनाकर रहे तो ही स्वस्थ रहने के लिए ठीक है तथा स्थानीय एवं ऋतु अनुसार मिलने वाले मौसमी फल सब्जी एवं खाद्य पदार्थों को भी ऋतु विशेष में प्राथमिकता देनी चाहिए ऐसा करने से ही शरीर में इम्यूनो पावर बढ़ता है। दूध,दही और छाछ का सेवन भी बढ़ती उम्र के बच्चों के लिए आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं है,बल्कि यह शरीर, मन और ऊर्जा को भी प्रभावित करता है इसलिए ह्यक्या खाएंह्न के साथ ह्यकब, कितना और किस प्रकार खाएंह्न यह समझना भी आवश्यक है ।साथ ही स्वादिष्ट खाने को लेकर जब खाऊं या ना खाऊं जैसी असंजस की स्थिति बने तो न खाना की उचित है,ऐसे ही इसके उल्टा जब पेट में होनेवाली गुड़गुड़ाहट लेकर विचार आए कि जाऊं कि नहीं जाऊं तो शौच के लिए जाना ही उचित रहेगा। यानी इन दोयम दौर में आपका लिया गया निर्णय ही आपको बचा पाएगा।

उन्होंने विद्यार्थियों से यह भी कहा कि सफलता के लिए पढ़ाई के साथ साथ स्वास्थ्य भी जरूरी है। देर रात तक मोबाइल चलाना, अनियमित भोजन करना, सुबह देर से उठना और शारीरिक गतिविधियों से दूर रहना भविष्य में अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। अतः बचने के लिए विद्यार्थियों को नियमित दिनचर्या अपनाने, प्रतिदिन कुछ समय योग, प्राणायाम एवं शारीरिक व्यायाम के लिए भी समय निकालने की जरूरत है। उन्होंने पर्याप्त नींद लेने तथा मोबाइल और सोशल मीडिया के अनावश्यक उपयोग को नियंत्रित करने की सलाह भी दी। डॉ. कुमावत ने कहा कि आयुर्वेद केवल बीमारी का उपचार करने वाली चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की वैज्ञानिक जीवन-पद्धति भी है। चरक संहिता में वर्णित स्वास्थ्य संरक्षण के सिद्धांत आज की जीवनशैली संबंधी चुनौतियों के बीच विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे आयुर्वेद के सिद्धांतों को केवल पाठ्यक्रम या भाषण तक सीमित न रखें,बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में उतारें /अंगीकार करे और स्वयं स्वस्थ रहते हुए अपने परिवार एवं समाज को भी स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करें।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने आयुर्वेद, चरक संहिता एवं स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े विषयों पर जानकारी तो प्राप्त की ही साथ ही कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संकल्प भी लिया। स्वास्थ्य से जुड़ी तमाम तहरीरों का संकल्प लेने का उद्देश्य नई पीढ़ी को रोग होने के बाद उपचार से आगे बढ़ाकर रोग से पहले बचाव और स्वास्थ्य संरक्षण की भारतीय आयुर्वेदिक अवधारणा से जोड़ना रहा। इस शानदार कार्यक्रम से अभिभूत होकर संस्था प्रधान मूलचंद गुर्जर ने डॉ.कुमावत का आभार व्यक्त किया और एक बार फिर विद्यालय में आने को कहा। विद्यालय के नीरज यादव,बीरबल देवठिया, आकाश कुमावत,श्रीमती चंपा रामुका,रेशमी कुमावत व फूलचंद सैनी सहित, स्कूल स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

परमार्थ द्वारा मालाड में 12 वां रुद्राभिषेक संपन्न

-आदेश मिश्र

मुंबई। मुम्बई की अग्रणी सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था परमार्थ सेवा समिति की मालाड क्षेत्रीय समिति द्वारा रविवार को आयोजित 11वां श्रावण मास के निमित्त पार्थिव शिवलिंग रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। मालाड पूर्व कलसरिया अपार्टमेंट परिसर में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में विकास माहेश्वरी व उनकी पत्नी वंदना ने पूजा संकल्प के साथ रुद्राभिषेक किया। राजाराम माहेश्वरी के संयोजन व पवन लाठ के प्रबंधन में हुए इस आयोजन में केदारनाथ ज्योतिर्लिंग की प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र था। पं. अजय भट्टाचार्य के मार्गदर्शन में विद्वान ब्राह्मणों ने विधिविधान पूर्वक रुद्राभिषेक पूजन कराया। संस्था के चेयरमैन लक्ष्मी नारायण बियानी, ट्रस्टी विश्वनाथ भरतिया, राम विलास हुरकट, गोपाल बियानी, रामप्रकाश बूबना, रवि लालपुरिया, निशा सुमन जैन, विजय खेतान ने भी रुद्राभिषेक किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री व विधायक विद्या ठाकुर, जयप्रकाश ठाकुर, दीपक ठाकुर,

आरयू सिंह, धैरप शाह, संतोष सोमानी आदि अतिथिगण की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मालाड क्षेत्रीय समिति के अध्यक्ष सुरेश करवा, उपाध्यक्ष राजेंद्र होलानी, कोषाध्यक्ष सचिन रुंगटा, महामंत्री पवन लाठ, जुगल असावा व पूर्व अध्यक्ष पवन पुरोहित की सक्रिय भूमिका रही। इस धार्मिक अनुष्ठान में डॉ. बीएम खंडेलवाल, एसएस काबरा, शरद काबरा, राजेश माहेश्वरी, मधुसुदन माहेश्वरी, सुनील काबरा,एसएस काबरा, गोविंद सराफ,राजकुमार तोषनीवाल, राजाराम छापरवाल, डॉ श्रीकांत बड़वे, पत्रकार विजय यादव सहित करीब 300 लोगों ने रुद्राभिषेक किया।

मराठी भाषा कोर्स अभियान सम्पन्न, नालासोपारा पूर्व में प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित

नालासोपारा। दुबे एस्टेट, नालासोपारा पूर्व में हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे मराठी भाषा कोर्स अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। अभियान का संदेश था– महाराष्ट्र माझा... मराठी माझा, संवाद भाषा! इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मराठी भाषा केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की संस्कृति, पहचान और आत्म-सम्मान की पहचान है। महाराष्ट्र सरकार के परिवहन विभाग, राज्य मराठी विकास संस्था, कोंकण मराठी साहित्य परिषद तथा मुंबई मराठी साहित्य संघ के संयुक्त सहयोग से महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप बाबूराव सरनाईक की संकल्पना पर इस अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य चालकों, वाहन मालिकों और नागरिकों को दैनिक जीवन में मराठी भाषा का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में मराठी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और अधिकाधिक उपयोग की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ नवीन दुबे, सेंटर डायरेक्टर एवं ट्रेनर डॉ. सुरेखा धनावड़े, ट्रेनर वर्षा भोसले, रोहिणी जाधव, मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर अभिजीत पाटिल, ट्रैफिक विभाग वसई के पीएसआई दिगंबर सांगले, कॉर्पोरेटर श्रीमती एकता सिंह, कॉर्पोरेटर श्रीमती निम्मी निपुण दोशी, श्रीमती ज्योति ठाकरे, एनडीएफ डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र वाघ, भूपेन पाटिल, शरद सुर्वे, निपुण दोशी सहित बड़ी संख्या में चालक, वाहन मालिक, नागरिक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी से आह्वान किया गया– आइए मराठी सीखें, मराठी बोलें और गर्व के साथ मराठी भाषा का उपयोग करें।

सिंगरामऊ में साथी हाथ बढ़ाना क्रिएटर्स मीट का भव्य आयोजन

जौनपुर । सिंगरामऊ स्थित माटी महल फैमिली रेस्टोरेंट पर रविवार को साथी हाथ बढ़ाना नाम से एक विशेष क्रिएटर्स मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जौनपुर एवं सुल्तानपुर के सोशल मीडिया क्रिएटर्स तथा जौनपुर के चर्चित पत्रकारों को एक मंच पर लाकर आपसी परिचय, संवाद, सहयोग और साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।कार्यक्रम के स्पॉन्सर माटी महल फैमिली रेस्टोरेंट, एनएच निकट सिंगरामऊ रहे, जबकि आयोजन की जिम्मेदारeDigital Advertising Agency ने निभाई। आयोजन के दौरान सोशल मीडिया के क्षेत्र में कार्य कर रहे क्रिएटर्स एवं पत्रकारों ने अपने अनुभव साझा किए और डिजिटल मीडिया के बदलते स्वरूप पर विचार-विमर्श किया।

क्रिएटर्स मीट में शिवेंद्र प्रताप सिंह, मो. फरहान, नितेश यादव, आलोक विश्वकर्मा, नीलेश तिवारी, रजत राय,मांशी सिंह, वंशिका मिश्रा, प्रभात यादव, अभिषेक पांडे, अखिलेश, हर्षिता, भूमि, प्रियांशी तथा अमित पाण्डेय (संपादक) सहित बड़ी संख्या में क्रिएटर्स, पत्रकार एवं अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।आयोजकों ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले लोगों के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग समय की जरूरत है। ऐसे आयोजनों से एक-दूसरे की प्रतिभा, अनुभव और कार्यशैली को समझने का अवसर मिलता है तथा स्थानीय स्तर पर सकारात्मक एवं प्रभावी कंटेंट को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने साथी हाथ बढ़ाना की पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन जारी रखने की बात कही। मिल-जुलकर आगे बढ़ने और डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में नई संभावनाएं तलाशने के संकल्प के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। अंत में सभी आए हुए साथियों का शिवेंद्र प्रताप सिंह ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

इंदौर के देपालपुर में प्रिंसिपल के ट्रांसफर पर बच्चों ने फोड़े पटाखे: बांटी मिठाई

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर(उत्तरशक्ति)। इंदौर जिले के देपालपुर स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य सपना भदौरिया का देवास तबादला होने पर विद्यार्थियों ने खुशी मनाई। ट्रांसफर की जानकारी मिलते ही स्कूल के मुख्य गेट के बाहर छात्र-छात्राओं की भीड़ जुट गई। विद्यार्थियों ने पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई।दरअसल, स्कूल में माइग्रेशन सर्टिफिकेट को लेकर एक छात्र और प्राचार्य के बीच विवाद हुआ था।

सर्टिफिकेट मिलने में परेशानी होने पर छात्र ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत की थी। इसके बाद प्राचार्य और छात्र के बीच बातचीत का कथित ऑडियो सामने आया। छात्र का दावा है कि प्राचार्य ने कहा था- तूने सीएम हेल्पलाइन लगाई है तो क्या यहां मुख्यमंत्री ढूंढने

आएगा? मुख्यमंत्री से ले ले, तुझे ढूंढकर सीएम देगा, मैं क्या करूं? मामले को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने मंगलवार को स्कूल पहुंचकर करीब दो घंटे प्रदर्शन किया था। कार्यकताओं ने निष्पक्ष जांच और छात्र को जल्द माइग्रेशन सर्टिफिकेट दिलाने की मांग की थी। प्रदर्शन के दौरान स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगाए जाने और बाद में ताला तोड़कर परिसर में प्रवेश करने की बात भी सामने आई थी। कार्यकताओं ने प्राचार्य पर अन्य अनियमितताओं के आरोप भी लगाए थे । मामले के बाद आयुक्त के आदेश पर प्राचार्य सपना भदौरिया का देवास तबादला कर दिया गया। तबादले की जानकारी मिलने के बाद विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने खुशी जताई। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से परेशान थे।

मुंबई में डेंटल इम्प्लांट करवाने से पहले हर मरीज को ये 5 सवाल जरूर पूछने चाहिए

मुंबई। मुंबई में डेंटल इम्प्लांट अब एक खास और महंगी प्रक्रिया से बदलकर एक आम प्रक्रिया बन गए हैं, क्योंकि ज्यादातर मरीज टूटे हुए दांतों के लिए डेंचर और ब्रिज के बजाय इम्प्लांट को चुन रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे इम्प्लांट करने वाले क्लीनिकों की संख्या बढ़ी है, वैसे-वैसे एक जैसी कीमत वाले इम्प्लांट की क्वालिटी में भी अंतर आया है। यह चिंता का इतना बड़ा विषय है कि केंद्र सरकार अब डेंटल इम्प्लांट के लिए एक राष्ट्रीय सुरक्षा और रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने पर विचार कर रही है, क्योंकि एक सांसद ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग और क्लिनिकल स्टैंडर्ड्स में एकरूपता न होने का मुद्दा उठाया था। मुंबई स्थित टेक्नोलॉजी-बेस्ड डेंटल केयर प्रोवाइडर, 'एका डेंटल केयर' (Eka Dental Care), जानकारी की उस कमी को दूर करता है जो अक्सर मरीजों को तब तक नहीं दी जाती जब तक वे खुद न पूछें। नीचे पांच सवाल दिए गए हैं जिन्हें 'एका डेंटल केयर' के को-फाउंडर और सीईओ सचिन कटिरा हर मरीज को इम्प्लांट प्रक्रिया के लिए हामी भरने से पहले पूछने की सलाह देते हैं।

इम्प्लांट एक सर्जिकल प्रक्रिया है जो मरीज की जबड़े की हड्डी, उसकी डेंसिटी, ऊंचाई और नसों व साइनस से उसकी दूरी की सटीक जानकारी पर निर्भर करती है। इसके लिए 3D B मेजिंग (आमतौर पर सिटी (CT) स्कैन) की जरूरत होती है, न कि सिर्फ देखकर जांच करने या स्टैंडर्ड 2D एक्स-रे (-१८) की?। इस स्टेप को छोड़ना इम्प्लांट में दिक्कतों और फेलियर के आम और आसानी से टाले जा सकने वाले कारणों में से एक है, क्योंकि इससे यह भी तय होता है कि इम्प्लांट लगाने से पहले बोन ग्राफ्टिंग की जरूरत है या नहीं।

जनरल डेंटिस्ट्री और इम्प्लांटोलॉजी अलग-अलग क्षेत्र हैं। मरीजों को यह पूछना चाहिए कि इलाज करने वाले डॉक्टर क्वालिफाइड इम्प्लांटोलॉजिस्ट या ओरल सर्जन हैं या नहीं, उन्होंने लगभग कितने इम्प्लांट प्रोसीजर किए हैं और सर्जरी से लेकर ठीक होने और आखिरी क्राउन लगने तक केस को कौन संभालता है। यह मान लेने के बजाय कि जो व्यक्ति कंसल्टेशन कर रहा है, वही सर्जरी भी करेगा।

एका डेंटल केयर के को-फाउंडर और सीईओ सचिन कटिरा कहते हैं, मुंबई जैसे शहर में मरीजों के पास क्लीनिक के लिए कई ऑप्शन होते हैं, लेकिन बिना स्पष्टता के चुनाव करना वास्तव में मददगार नहीं होता, क्योंकि डेंटल इम्प्लांट एक जटिल प्रक्रिया लगती है।ह्य ह्यहम चाहेंगे कि मरीज सही सवालों के साथ किसी भी क्लीनिक में जाएं न कि सिर्फ इसलिए हमारे पास आएं क्योंकि उन्हें पता नहीं था कि और क्या पूछना है। हम चाहते हैं कि पूरी इंडस्ट्री इसी स्टैंडर्ड को अपनाए।

मेरी ज़िंदगी के सबसे खास इंसान मेरे पापा का 70वां जन्मदिन: स्नेहा दुबे पंडित

मुंबई। जब स्नेहा दुबे पंडित अपने पापा के बारे में लिखने बैठते हैं तो शब्द कम पड़ जाते हैं। उनके लिए पापा सिर्फ पिता ही नहीं, बल्कि पहले गुरु, मार्गदर्शक, प्रेरणा और ज़िंदगी के सबसे मजबूत सहारे हैं। आज उनके पापा का 70वां जन्मदिन है और इस खास अवसर पर स्नेहा दुबे पंडित ने भावुक शब्दों में अपने पिता के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दुनिया ने उनके पापा को गरीबों और दबे-कुचले लोगों के ह्यभाई, अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने वाले योद्धा, संघर्षरत अनगिनत लोगों को नई दिशा देने वाले पिता, अनेक कार्यकताओं को तैयार करने वाले गुरु और कानून की गहरी समझ रखने वाले लॉ स्कॉलर के रूप में देखा और सम्मान दिया है। लेकिन इन सभी पहचानों से परे, स्नेहा दुबे पंडित के लिए उनका सबसे खास रूप सिर्फ मेरे पापा का है।

स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि उनके पापा ने अपना पूरा जीवन समाज के लिए कड़ी मेहनत और संघर्ष में बिताया। इस कारण परिवार को उनका साथ भले ही कम मिला हो, लेकिन उनके साथ बिताया गया हर पल आज भी अनमोल यादों की तरह संजोया हुआ है। उन्होंने सिर्फ जीना ही नहीं सिखाया, बल्कि इंसान बनकर जीने का संस्कार दिया। उनके संस्कारों ने परिवार के दिलों में इंसानियत, संवेदनशीलता, विनम्रता और संघर्ष करने की ताकत भरी। उन्होंने कहा कि पिता के संघर्ष की विरासत उनके लिए केवल गर्व का विषय नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। उनके दिखाए रास्ते पर चलते हुए चाहे कितनी भी मुश्किलें और कांटे आएं, वे उनके विचारों और मूल्यों को कभी नहीं छोड़ेंगे। अपने पिता के अनुशासन और प्यार को याद करते हुए स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि पापा कभी गलती पर डांटते हैं, कभी कान खींचते हैं और कभी कड़े शब्दों में समझाते हैं, लेकिन उन्हें हमेशा पता रहा है कि उस हर गुस्से के पीछे बेइंतहा प्यार छिपा है।

उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति का पिता उसकी गलतियां दिखाता है, उसे ज़िंदगी में सही रास्ते पर चलने का साहस और समझ मिलती है। उन्होंने भावुक होकर कहा, आज मैं जिस रास्ते पर चल रहा हूं, वह मेरा अपना रास्ता है, लेकिन उस रास्ते पर मेरा भरोसा आपकी वजह से है। आपका अनुभव मेरी ढाल है, आपके मूल्य मेरी ताकत हैं और आपका आशीर्वाद मेरा सबसे बड़ा खजाना है। स्नेहा दुबे पंडित ने अपने पिता के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि उनकी बस यही इच्छा है कि वे उनकी वजह से कभी निराश न हों। पिता द्वारा दिए गए संस्कारों और संघर्ष की विरासत को वे जीवनभर पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ संभालकर रखेंगे। उन्होंने कहा कि भले ही रोज बात न हो या रोज मुलाकात न हो, लेकिन एक बात हमेशा दिल में रहती है–मेरे पापा मेरी मुश्किल में सबसे पहले आने वाले इंसान हैं, वे हमेशा मेरे साथ हैं। पिता के 70वें जन्मदिन पर स्नेहा दुबे पंडित ने विट्ठल मौली के चरणों में उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशी, संतोष और लंबी उम्र की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि पिता की छाया हमेशा परिवार की ज़िंदगी पर बनी रहे।

हर-हर महादेव बोले जापानी गवर्नर, बाबा से मांगी विश्व शांति

वाराणसी। काशी में रविवार को जब हर-हर महादेव का जयघोष गूंजा तो उसमें जापान की आवाज भी शामिल हो गई। जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी करीब 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। बाबा विश्वनाथ का विधिवत दर्शन-पूजन कर उन्होंने आशीर्वाद लिया और विश्व शांति की प्रार्थना की। मंदिर पहुंचने पर जापानी मेहमानों का रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्र पहनाकर पारंपरिक स्वागत किया गया।

सावन में उमड़ी श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की भारी भीड़ के बीच हर-हर महादेव का उद्घोष हुआ तो जापानी प्रतिनिधिमंडल भी श्रद्धालुओं के साथ उसी उत्साह से इस जयघोष में शामिल हो गया। काशी की आस्था से जुड़ा यह दृश्य सांस्कृतिक रिश्तों की उस गहराई का प्रतीक बना, जिसमें भाषा अलग होने के बावजूद भाव एक था।

मंदिर न्यास के एसडीएम शंभू शरण के अनुसार प्रतिनिधिमंडल ने बाबा के दर्शन के साथ काशी की धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं को समझा। सावन में इतनी बड़ी भीड़ के बीच श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं ने जापानी मेहमानों को खास तौर पर प्रभावित किया। धाम की प्राचीन विरासत, भव्यता और आधुनिक सुविधाओं के तालमेल को भी उन्होंने करीब से देखा।

बाबा के दरबार से विश्व शांति का संदेश

दर्शन-पूजन के बाद गवर्नर कोटारो नागासाकी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, यामानाशी और जापान के बीच संबंध आने वाले समय में और मजबूत किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के

साथ मिलकर कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताते हुए उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन सिस्टम को यूपी और यामानाशी के विकास के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। ऊर्जा सुरक्षा के जरिए विश्व शांति की स्थापना में योगदान देने की इच्छा भी उन्होंने जताई। गवर्नर ने कहा कि काशी आकर उन्हें लोगों की ईश्वर के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना को करीब से समझने का अवसर मिला। बाबा विश्वनाथ से विश्व शांति की प्रार्थना करना उनके लिए इस यात्रा का विशेष अनुभव रहा।

सारनाथ में बुद्ध, काशी में शिव

जापानी प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा केवल निवेश और उद्योग की तलाश तक सीमित नहीं रही। शनिवार को दल ने सारनाथ पहुंचकर भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेशस्थली और बौद्ध विरासत को करीब से जाना। शाम को नमो घाट पर गंगा आरती में शामिल होकर काशी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का अनुभव किया। रविवार को विश्वनाथ धाम में दर्शन के बाद दल वाराणसी से रवाना हो गया। काशी की यह यात्रा अपने आप में भारत-जापान रिश्तों की दो धाराओं–बुद्ध की शांति और बाबा विश्वनाथ की आध्यात्मिकता–को जोड़ती दिखाई दी।

यूपी को जापान से क्या मिलेगा?

यामानाशी और उत्तर प्रदेश की साझेदारी अब महज औपचारिक मुलाकातों से आगे बढ़ रही है। दोनों पक्ष ग्रीन हाइड्रोजन, स्वच्छ ऊर्जा, उद्योग, पर्यटन और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहे हैं। अगस्त 2026 की यूपी-जापान निवेश पहल में ऑटोमोबाइल, उन्नत विनिर्माण, तकनीक, नवाचार और स्वास्थ्य क्षेत्र भी प्रमुख संभावनाओं के रूप में सामने आए हैं।

पहला लाभ–निवेश और रोजगार : जापानी कंपनियों के आने से विनिर्माण इकाइयों, सप्लाई चेन और सहायक उद्योगों का विस्तार हो सकता है। इससे प्रत्यक्ष के साथ अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

दूसरा–ग्रीन हाइड्रोजन की तकनीक : जापान और खासकर यामानाशी के अनुभव से यूपी को स्वच्छ ऊर्जा, हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण और उपयोग की तकनीक विकसित करने में मदद मिल सकती है। दोनों पक्षों के बीच ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति भी बनी है।

तीसरा–जापानी तकनीक और यूपी का बाजार : जापान की तकनीकी दक्षता और यूपी के विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन तथा बढ़ते औद्योगिक ढांचे का मेल ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और आधुनिक विनिर्माण को नई गति दे सकता है।

चौथा–कौशल विकास : जापानी उद्योगों की जरूरत के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षित करने से रोजगार की गुणवत्ता बढ़ सकती है। तकनीकी संस्थानों और कंपनियों के बीच प्रशिक्षण तथा मानव संसाधन आदान-प्रदान के रास्ते भी खुल रहे हैं।

पांचवां–काशी और यूपी का पर्यटन : सारनाथ, काशी विश्वनाथ, गंगा आरती और बौद्ध विरासत जापानी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण हैं। सांस्कृतिक संबंध मजबूत होने से जापान से यूपी आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

छठा–वैश्विक निवेश की विश्वसनीयता : जापानी कंपनियों का भरोसा दूसरे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत बन सकता है। यूपी की बेहतर कनेक्टिविटी, बड़ा बाजार, मानव संसाधन और निवेश सुविधा तंत्र इस साझेदारी को आधार दे रहे हैं।

600 करोड़ की प्रतिबद्धता से आगे बढ़ी साझेदारी

यामानाशी ने यूपी में अपनी एमएसएमई कंपनियों के निवेश को सुगम बनाने के लिए करीब 600 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता जताई है। प्रस्तावित सहयोग में जापान सिटी, ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक निवेश जैसे आयाम भी शामिल हैं। यानी काशी में बाबा विश्वनाथ के दरबार में गूंजा ह्यहर-हर महादेव केवल आस्था का स्वर नहीं था। इसके पीछे निवेश, तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा, रोजगार, पर्यटन और विश्व शांति की साझी आकांक्षा भी सुनाई दी। काशी की धरती पर जापान का यह जुड़ाव अब संस्कृति से कारोबार और कारोबार से विकास की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

सारनाथ में गूंजा हर-हर महादेव, बाबा सारंगनाथ का भव्य रुद्राभिषेक

वाराणसी। सारनाथ स्थित प्राचीन बाबा सारंगनाथ महादेव मंदिर रविवार को आस्था, भक्ति और लोकमंगल की कामना से सराबोर रहा। शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र में हर वर्ष की परंपरा के तहत बाबा सारंगनाथ महादेव का भव्य रुद्राभिषेक आयोजित किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने बाबा का दर्शन-पूजन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की मंगलकामना की।

कार्यक्रम में स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने सपरिवार पहुंचकर बाबा सारंगनाथ का दर्शन-पूजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, प्रबुद्धजन और सम्मानित नागरिक मौजूद रहे। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच रुद्राभिषेक और पूजन का क्रम चलता रहा। भक्ति संगीत से पूरा परिसर शिवमय हो उठा और श्रद्धालु देर तक भजनों में झूमते रहे।

रुद्राभिषेक में उमड़ी आस्था

सुबह से ही बाबा सारंगनाथ के दरबार में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। विधि-विधान से रुद्राभिषेक के बाद भगवान शिव का पूजन-अर्चन किया गया। श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में माथा टेककर परिवार की सुख-शांति, क्षेत्र की समृद्धि और समाज के कल्याण की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में मौजूद लोगों के बीच धार्मिक उत्साह देखते ही बन रहा था।

एक पेड़ मां के नाम का संदेश

धार्मिक अनुष्ठान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। बाबा सारंगनाथ के दरबार में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। इस पहल के जरिए धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति संरक्षण को जोड़ने का संदेश दिया गया। आयोजन में शामिल लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने पर भी जोर दिया।

भक्ति के साथ भंडारे का स्वाद

रुद्राभिषेक और दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। बाटी-चोखा, चूरमा, दाल-चावल और खीर समेत विभिन्न प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किए गए। भक्ति संगीत के बीच श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन का आनंद लिया। बाबा सारंगनाथ के दरबार में धार्मिक अनुष्ठान, जनभागीदारी, सेवा और पर्यावरण संरक्षण का यह संगम पूरे आयोजन को खास बनाता रहा। दिनभर मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे और सारनाथ की धरती शिवभक्ति से ओतप्रोत नजर आई।

आराजी लाइन बीआरसी पर रसोइयों का सम्मान, मानदेय वृद्धि पर जताई खुशी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब ब्लॉक संसाधन केंद्र आराजी लाइन पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा पीएम पोषण योजना के तहत कार्यरत रसोइयों का सम्मान समारोह और कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां खंड शिक्षा अधिकारी शशिकांत श्रीवास्तव की मौजूदगी में सबसे पहले लखनऊ के इंदिरा भवन में मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित रसोइया सम्मान कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। प्रसारण में मुख्यमंत्री द्वारा रसोइयों के मानदेय में वृद्धि, दुर्घटना बीमा और कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ देने की घोषणा को दिखाया गया इसके बाद मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि महेंद्र सिंह पटेल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रभारी बीईओ शशिकांत श्रीवास्तव ने मानदेय वृद्धि पर रसोइयों को शुभकामनाएं दीं और मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने सभी रसोइयों से जिम्मेदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील की कार्यक्रम में विभिन्न न्याय पंचायतों से सैकड़ों रसोइयों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि और खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह यादव ने 6 रसोइयों को प्रतीकात्मक चेक, कैशलेस कार्ड और साड़ी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र यादव और संचालन अरविंद सिंह ने किया।

मराठी EE5 ने दमदार कंटेंट के साथ मराठी स्ट्रीमिंग की दुनिया में अपनी मजबूत जगह बनाई

मुंबई। भारत में रीजनल कंटेंट के बढ़ते प्रभाव के बीच मराठी ZEE5 लगातार मराठी ओरिजिनल्स, फिल्मों और अलग-अलग तरह के कंटेंट में निवेश कर रहा है। मराठी कहानियों की गहराई, विविधता और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए ZEE5 ने दर्शकों के बीच मजबूत पहचान बनाई है। पहले साल दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया, ती दर्शकों की बढ़ संख्या और सफल ओरिजिनल्स के बाद अब मराठी ZEE5 ने दूसरे साल के लिए नए और अलग-अलग तरह कंटेंट के की घोषणा की है। इस नए कंटेंट के जरिए ZEE5 का लक्ष्य पूरे साल दर्शकों के लिए बेहतर और मनोरंजक मराठी कहानियां पेश करना है। मराठी ZEE5 के नए कंटेंट में लोकप्रिय फ्रेंचाइजी, नई ओरिजिनल सीरीज, सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली फिल्में, सिनेमाघरों में रिलीज के बाद डिजिटल प्रीमियर और लाइव स्पोर्ट्स शामिल हैं। इससे मराठी दर्शकों को मनोरंजन का एक ही प्लेटफॉर्म पर मनोरंजन के कई विकल्प मिलेंगे। ZEE5 बड़े प्रोडक्शन हाउस और मराठी फिल्म जगत के जाने-माने निमार्ताओं के साथ भी काम कर रहा है। आने वाले कंटेंट में हे काय नवीन? सीजन 2 शामिल है, जिसमें उमेश कामत और प्रिया बापट फिर साथ नजर आएंगे। वहीं देवखेळ सीजन 2 में अंकुश चौधरी और प्राजक्ता माळी की जोड़ी वापसी करेगी। नई ओरिजिनल सीरीज में कौन यशवंत पानसरे? और 112 शामिल हैं। इन सीरीज के जरिए नई प्रतिभाओं, अच्छी कहानियों और अलग-अलग विषयों को दर्शकों तक पहुंचाने पर खास ध्यान दिया गया है। झी मराठी की चीफ चैनल ऑफिसर और मराठी ZEE5 की बिजनेस हेड वी. आर. हेमा ने कहा कि, मराठी ZEE5 शुरू करने का उद्देश्य मराठी दर्शकों के लिए एक खास स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तैयार करना था। उन्होंने कहा कि आज ZEE5 लगातार मराठी ओरिजिनल कहानियों में निवेश कर रहा है। दर्शकों से मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया से हमारा विश्वास और मजबूत हुआ है।

भारत विकास परिषद सत्यम शाखा ने आयोजित की राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता

पटना। भारत विकास परिषद, सत्यम शाखा द्वारा राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन ए.एन. सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना में किया गया। इस कार्यक्रम में पटना के 12 चयनित विद्यालयों से लगभग 130 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में देशप्रेम की भावना को जगाना एवं संस्कृति के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व कुलपति पद्मश्री प्रो. डॉ. रविंद्र कुमार सिन्हा, पद्मश्री डॉ. जितेंद्र प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुमन सिंह एवं अध्यक्ष उमेश कुमार विद्यार्थी ने किया।

किआ सोरेंटो की पहली आधिकारिक तस्वीरें जारी

मुंबई। देश की प्रमुख मास-प्रीमियम कार निमार्ता कंपनी किआ इंडियाने आज अपनी फ्लैगशिप प्रीमियम 3-रो एसयूवी 'किआ सोरेंटो' की पहली आधिकारिक तस्वीरें जारी कर दी हैं। कंपनी ने भारत में इस बहुप्रतीक्षित एसयूवी के लॉन्च से पहले एक बड़ा मील का पत्थर हासिल करते हुए आंध्र प्रदेश स्थित अनंतपुर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में इसका स्थानीय उत्पादन शुरू कर दिया है, जहाँ से पहली 'मेड-इन-इंडिया' सोरेंटो असेंबली लाइन से बाहर आ चुकी है। किआ सोरेंटो भारतीय बाजार के लिए कंपनी की पहली हाइब्रिड और ऑल-व्हील ड्राइव एसयूवी है। इलेक्ट्रिफिकेशन और बेहतरीन ड्राइविंग क्षमता का संतुलन पेश करने वाली यह एसयूवी हाइब्रिड के साथ-साथ एक शक्तिशाली डीजल इंजन विकल्प में भी उपलब्ध होगी। इससे भारतीय ग्राहकों को अपनी जरूरत और ड्राइविंग प्राथमिकताओं के अनुसार पावरट्रेन चुनने की पूरी आजादी मिलेगी। अपनी टेक-फॉरवर्ड पहचान को नया आयाम देते हुए, किआ सोरेंटो दुनिया भर में किआ की पहली ऐसी गाड़ी होगी जिसमें 'लाइव जनरेटिव एआई' पर आधारित किआ एआई असिस्टेंट दिया जाएगा। यह न केवल किआ के ग्लोबल पोर्टफोलियो में पहली बार हो रहा है, बल्कि भारतीय ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में भी लाइव जनरेटिव एआई का यह पहला इस्तेमाल है। पारंपरिक वॉयस असिस्टेंट की तुलना में यह एआई रियल-टाइम, अपडेटेड जानकारी और सहज संवाद के जरिए हर सफर को अधिक स्मार्ट और पर्सनल बनाएगा। जारी की गई तस्वीरों में किआ सोरेंटो का बड़ा आकार, मस्कुलर मूंछें/ग्रिल और रोड प्रेजेंस साफ झलकती है। यह एसयूवी किआ की वैश्विक 'बोल्ड एंड मॉडर्न' डिजाइन भाषा पर आधारित है। इसमें एक मस्कुलर एक्सटीरियर के साथ-साथ प्रीमियम और विशाल इंटीरियर दिया गया है, जो 3-रो (तीन पंक्तियों वाले) सेगमेंट में एक नया मानक स्थापित करता है। किआ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ ग्वांगगु ली ने कहा, सोरेंटो दुनिया भर में किआ की एसयूवी लीडरशिप का प्रतीक रही है। अनंतपुर फैसिलिटी में पहली स्थानीय रूप से निर्मित सोरेंटो का रोल-आउट हमारे प्रीमियम पोर्टफोलियो के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। यह न केवल भारत में हमारी पहली हाइब्रिड एसयूवी है, बल्कि दुनिया की पहली ऐसी गाड़ी भी है जिसमें लाइव जनरेटिव एआई तकनीक दी जा रही है। ये तस्वीरें बस एक शुरूआत हैं, लॉन्च के वक्त भारतीय ग्राहकों को इसमें और भी बहुत कुछ नया देखने को मिलेगा।

महाराष्ट्र के विकास में पूर्वांचल के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान: अंकित सुनील प्रभु

कजरी महोत्सव में आयरन लेडी रिया अहीर का सम्मान

मुंबई। महाराष्ट्र के विकास में पूर्वांचल के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान है। यहां के लोगों ने अपनी मेहनत, लगन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से न सिर्फ पूर्वांचल को आलोकित किया अपितु महाराष्ट्र को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में समर्पित भावना के साथ काम किया। पूर्वांचल विकास परिवार द्वारा जयलीला बैंक्वेट हॉल, गोरेगांव (पूर्व) में आयोजित कजरी महोत्सव में सम्मानित अतिथि के रूप में बोलते हुए यूबीटी शिवसेना नगरसेवक अंकित सुनील प्रभु ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि डॉ द्रिगेश यादव के नेतृत्व में पूर्वांचल विकास परिवार, पूर्वांचल के लोगों की बुनियादी सुविधाओं और सम्मान के लिए लगातार जमीनी स्तर पर काम कर रहा है। इसके लिए संस्था से जुड़े सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित यूबीटी शिवसेना विधायक सुनील प्रभु ने कहा कि पूर्वांचल विकास परिवार द्वारा आयोजित कजरी महोत्सव में उत्तर भारत की सांस्कृतिक झलक साफ दिखाई दे रही है। कार्यक्रम में आयरन लेडी के नाम से विख्यात हो चुकी रिया अहीर का संस्था की तरफ से सार्वजनिक सम्मान किया गया। संस्था अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव ने कहा कि रिया अहीर देश की बहादुर बेटी है, जिसने साबित कर दिया कि अन्याय और अधर्म के खिलाफ कभी नहीं झुकना चाहिए। डॉ द्रिगेश यादव ने कहा कि पूर्वांचल में बढ़ रही बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ हमें संगठित रूप से आवाज उठानी है। पूर्वांचल से भारी संख्या में हो रहे पलायन को रोकने की दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना है।कार्यक्रम में पहुंचने वाले प्रमुख लोगों में कामगार नेता अभिजीत राणे, आस्था हॉस्पिटल के संचालक डॉ केएस यादव, शाखा प्रमुख महेंद्र यादव, शाखा प्रमुख सुभाष धानुका, मनोज प्रजापति, सुरेश मिश्रा सतीश सिंह नेता जौनपुर आदि का समावेश रहा। मशहूर गायक प्रशांत त्रिपाठी, लोकप्रिय गायिका श्रेया यादव, रेशमा राय, गायक इंद्रजीत यादव, गायक चंद्रजीत यादव, गायक सूरज सांवरिया के कजरी गीतों और लोकगीतों ने उपस्थित लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कवि विमलेश यादव, संस्था राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बृजेश यादव, मुंबई अध्यक्ष राकेश यादव, मानिकचंद यादव, राष्ट्रीय महासचिव सभाजीत यादव, मनोज यादव, राकेश यादव, दयाशंकर तिवारी, मातिवार सिंह, सृष्टि शर्मा, सुशांत यादव, युवा समाजसेवी डॉ शैलेश यादव , मोतीलाल यादव, भोला यादव होटेलियर , रामप्रकाश यादव , अवधराज यादव , सुरेंद्र यादव अवधूत विद्यालय , दिनेश यादव बिल्डर , जनार्दन यादव , श्यामलाल यादव , श्यामजीत यादव, सतीश यादव मिमिक्री आर्टिस्ट, ईश्वरदेव यादव, राजकुमार यादव, शेर बहादुर यादव आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में डॉ द्रिगेश यादव ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुंबई में डेंटल इम्प्लांट करवाने से पहले हर मरीज को सवाल जरूर पूछने चाहिएं

मुंबई। मुंबई में डेंटल इम्प्लांट अब एक खास और महंगी प्रक्रिया से बदलकर एक आम प्रक्रिया बन गए हैं, क्योंकि ज्यादातर मरीज टूटे हुए दांतों के लिए डेंचर और ब्रिज के बजाय इम्प्लांट को चुन रहे हैं, लेकिन जैसे-जैसे इम्प्लांट करने वाले क्लीनिकों की संख्या बढ़ी है, वैसे-वैसे एक जैसी कीमत वाले इम्प्लांट की क्वालिटी में भी अंतर आया है। यह चिंता का इतना बड़ा विषय है कि केंद्र सरकार अब डेंटल इम्प्लांट के लिए एक राष्ट्रीय सुरक्षा और रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने पर विचार कर रही है, क्योंकि एक सांसद ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग और क्लिनिकल स्टैंडर्ड्स में एकरूपता न होने का मुद्दा उठाया था।

मुंबई स्थित टेक्नोलॉजी-बेस्ड डेंटल केयर प्रोवाइडर, 'एका डेंटल केयर' जानकारी की उस कमी को दूर करता है जो अक्सर मरीजों को तब तक नहीं दी जाती जब तक वे खुद न पूछें। नीचे पांच सवाल दिए गए हैं जिन्हें 'एका डेंटल केयर' के को-फाउंडर और सीईओ सचिन कटिरा हर मरीज को इम्प्लांट प्रक्रिया के लिए हामी भरने से पहले पूछने की सलाह देते हैं।

क्या केस की प्लानिंग के लिए सही 3D इमेजिंग की गई है? इम्प्लांट एक सर्जिकल प्रक्रिया है जो मरीज की जबड़े की हड्डी, उसकी डेंसिटी, ऊंचाई और नसों व साइनस से उसकी दूरी की सटीक जानकारी पर निर्भर करती है। इसके लिए 3D इमेजिंग (आमतौर पर सिटी (CT) स्कैन) की जरूरत होती है, न कि सिर्फ देखकर जांच करने या स्टैंडर्ड 2D E क्स-रे (X-ray) की। इस स्टेप को छोड़ना इम्प्लांट में दिक्कतों और फेलियर के आम और आसानी से टाले जा सकने वाले कारणों में से एक है, क्योंकि इससे यह भी तय होता है कि इम्प्लांट लगाने से पहले बोन ग्राफ्टिंग की जरूरत है या नहीं।

कौन सा इम्प्लांट सिस्टम और मटीरियल इस्तेमाल किया जा रहा है, और क्यों? सभी इम्प्लांट एक जैसे नहीं होते और सही सिस्टम इस बात पर निर्भर करता है कि कितने दांतों का इलाज किया जा रहा है। विकल्पों में एक दांत के लिए आस्टेम/ नियोबायोटेक (Osstem/Neobiotech) इम्प्लांट, ज्यादा सटीकता चाहने वाले मरीजों के लिए प्रीमियम स्ट्रुमान इम्प्लांट, और आल -आन-2(All-on-2) व आल-आन-4 (All-on-4) सिस्टम शामिल हैं, जो बहुत ज्यादा दांत टूटने वाले मरीजों के लिए सिर्फ दो या चार इम्प्लांट पर दांतों की पूरी कतार को सहारा देते हैं। मरीजों को शायद ही कभी बताया जाता है कि उनका इलाज असल में किस सिस्टम या किस कैटेगरी के तहत किया जा रहा है। प्रक्रिया कौन कर रहा है और उन्हें खास तौर पर इम्प्लांट का कितना अनुभव है? जनरल डेंटिस्ट्री और इम्प्लांटोलॉजी अलग-अलग क्षेत्र हैं। मरीजों को यह पूछना चाहिए कि इलाज करने वाले डॉक्टर क्वालिफाइड इम्प्लांटोलॉजिस्ट या ओरल सर्जन हैं या नहीं, उन्होंने लगभग कितने इम्प्लांट प्रोसीजर किए हैं और सर्जरी से लेकर ठीक होने और आखिरी क्राउन लगने तक केस को कौन संभालता है। यह मान लेने के बजाय कि जो व्यक्ति कंसल्टेशन कर रहा है, वही सर्जरी भी करेगा।

कुल खर्च कितना है और इसमें असल में क्या-क्या शामिल है?

इम्प्लांट की कीमत में अक्सर छिपे हुए अतिरिक्त खर्च शामिल होते हैं. इम्प्लांट फिक्स्चर, एबटमेंट, क्राउन, बोन ग्राफ्टिंग और फॉलो-अप विजिट की कीमत कभी-कभी एक साथ बताई जाती है और कभी-कभी इलाज के आगे बढ़ने पर अलग-अलग बिल किया जाता है. कीमतें भी हर केस के हिसाब से काफी अलग-अलग होती हैं; एक दांत के इम्प्लांट की कीमत लगभग 15,000 रुपए से शुरू हो सकती है, जबकि पूरे आर्च के 'ऑल-ऑन-4' सॉल्यूशन की कीमत लगभग 95,000 रुपए से शुरू हो सकती है। इसलिए मरीजों को किसी भी चीज के लिए हामी भरने से पहले अपने केस के हिसाब से एक सिंगल, आइटम-वाइज एस्टीमेट मांगना चाहिए।

इम्प्लांट लगाने के बाद क्या होता है, देखभाल कैसे की जाती है और क्या कोई वारंटी मिलती है? इम्प्लांट की लंबे समय की सफलता सर्जरी के बाद के महीनों पर उतनी ही निर्भर करती है जितनी कि खुद सर्जरी पर। ठीक होने या ऑसियोइंटीग्रेशन (जिसमें जबड़े की हड्डी इम्प्लांट के साथ जुड़ जाती है) में आमतौर पर 3 से 6 महीने लगते हैं, जिसके बाद एबटमेंट लगाया जाता है और कुछ हफ्ते बाद पमार्नेंट क्राउन लगाया जाता है।

हर लाइफस्टाइल के लिए बेस्ट फोल्डेबल फोन गैलेक्सी Z सीरीज

मुंबई। सैमसंग के नए इनोवेशन, गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा, बेस्ट फोल्डेबल फोन की परिभाषा को एक नया रूप देते हैं, क्योंकि यह दो अलग-अलग फॉर्म फैक्टर लेकर आए हैं, जो अलग-अलग लाइफस्टाइल के हिसाब से बनाए गए हैं। चाहे आप एंटरटेनमेंट में डूबे रहना पसंद करते हों, एक साथ विभिन्न कार्य संपादित करना चाहते हों या फिर कंटेंट बनाना पसंद करते हों, ये दोनों डिवाइस डिजाइन और काम का ऐसा बेहतरीन मेल देते हैं, जो आपकी हर जरूरत पर खरा उतरता है। गैलेक्सी Z फोल्ड8 कंटेंट को गहराई से देखने और अनुभव करने के लिए सबसे बेस्ट फोल्डेबल फोन साबित होता है। इसका नया डिजाइन बंद होने पर एक कॉम्पैक्ट लुक देता है, जबकि खोलने पर एक बड़ी स्क्रीन मिलती है, जिससे कंटेंट देखने का अनुभव और भी बेहतर हो जाता है। इसका 4:3 वाला मुख्य डिस्प्ले मूवी, गेमिंग और सोशल मीडिया देखने के लिए एक शानदार अनुभव देता है, जबकि डिवाइस को 3:4 पोजीशन में घुमाने पर यह पढ़ने और ब्राउज करने के लिए एकदम सही बन जाता है। सिर्फ 201 ग्राम वजन के साथ यह सैमसंग का अब तक का सबसे हल्का गैलेक्सी` फोल्ड है। इसे साथ ले जाना जितना आसान है, इसकी 4,800 mAh बैटरी उतनी ही दमदार है, जो 26 घंटे तक वीडियो चलाने की क्षमता रखती है। यही वजह है कि यह उन लोगों के लिए सबसे बेस्ट फोल्डेबल फोन है जो आसानी से और स्वाभाविक तरीके से कंटेंट का आनंद प्राप्त करना चाहते हैं। वहीं दूसरी तरफ, गैलेक्सी` फोल्ड8 अल्ट्रा दमदार प्रोडक्टिविटी और क्रिएशन के लिए सबसे बेस्ट फोल्डेबल फोन है। सैमसंग की गैलेक्सी Z सीरीज का यह पहला अल्ट्रा मॉडल है, जिसमें 8 इंच का बड़ा डिस्प्ले है, जो मल्टीटास्किंग और क्रिएटिव काम के लिए एक बड़ा वर्कस्पेस देता है। इतने बड़े साइज के बावजूद यह खुलने पर सिर्फ 4.1 मिमी जितना पतला रहता है और इसका वजन भी सिर्फ 215 ग्राम है। इसमें दिया गया एडवांस्ड कैमरा सिस्टम, जिसमें 200 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा शामिल है, उन क्रिएटर्स के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनता है जो एक ही डिवाइस से फोटो व वीडियो कैप्चर करना, एडिट करना और शेयर करना चाहते हैं। यही वजह है कि यह उन प्रोफेशनल्स और क्रिएटर्स के लिए सबसे बेस्ट फोल्डेबल फोन है जिन्हें एक दमदार मोबाइल वर्कस्पेस की जरूरत होती है। गैलेक्सी Z फोल्ड8 और गैलेक्सी` फोल्ड8 अल्ट्रा मिलकर यह दिखाते हैं कि बेस्ट फोल्डेबल फोन को दो अलग-अलग नजरिए से भी देखा जा सकता है। गैलेक्सी Z फोल्ड8 को कंटेंट को गहराई से एक्सप्लोर करने के लिए बनाया गया है, जबकि गैलेक्सी` फोल्ड8 अल्ट्रा को ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्टिविटी और क्रिएशन के लिए तैयार किया गया है, जो एक फोल्डेबल फोन में भी अल्ट्रा जैसा दमदार अनुभव देता है। आखिरकार, यह चुनाव आपकी लाइफस्टाइल पर निर्भर करता है। क्या आप गैलेक्सी Z फोल्ड8 चुनेंगे, जो कंटेंट को गहराई से एक्सप्लोर करने के लिए सबसे बेस्ट फोल्डेबल फोन है, या फिर गैलेक्सी` फोल्ड8 अल्ट्रा चुनेंगे, जो दमदार प्रोडक्टिविटी और क्रिएशन के लिए सबसे बेस्ट फोल्डेबल फोन है? यह निर्णय अब पूरी तरह आपका है।

रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने वैश्विक शिक्षा और नवाचार पर चर्चा का किया आयोजन किया

मुंबई। अमेरिका की लगभग 2 सदी पुरानी और अपने एक्सपेरिमेंटल एजुकेशन थ्रू कोआपरेटिव एजुकेशन और इंटर्नशिप के लिए मशहूर यूनिवर्सिटी 'रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' ने मुंबई में एक विशेष शाम का आयोजन किया। यह इवेंट इंटरनेशनल हायर एजुकेशन के भविष्य पर केंद्रित था और इसमें मुंबई के मशहूर वड़ा पाव को भी सेलिब्रेट किया गया। इस इवेंट में 120 से ज्यादा स्कूल प्रिंसिपलों, काउंसलर्स और शैक्षिक दिग्गजों ने हिस्सा लिया। उन्होंने स्टूडेंट मोबिलिटी, शिक्षा में नए ट्रेंड्स और भारतीय स्कूलों व वैश्विक यूनिवर्सिटीज के बीच बेहतर तालमेल के तरीकों पर चर्चा की। यह इवेंट रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के उस फोकस को दिखाता है जिसमें वह अपनी वैश्विक उपस्थिति बढ़ाने और छात्रों में वैश्विक सोच विकसित करने पर जोर देता है। यूनिवर्सिटी का उद्देश्य छात्रों को अलग-अलग संस्कृतियों, क्षेत्रों और देशों में सीखने, काम करने और योगदान देने के लिए तैयार करना है। फ्ळ के लिए वैश्विक शिक्षा का मतलब सिर्फ.यह नहीं है कि छात्र कहाँ पढ़ते हैं। बल्कि, इसका मतलब उस ज्ञान, अनुभव और स्किल्स से भी है जो वे तेजी से आपस में जुड़ती जा रही दुनिया में आत्मविश्वास के साथ हिस्सा लेने के लिए हासिल करते हैं। इस इवेंट में बोलते हुए रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एनरोलमेंट मैनेजमेंट और एसोसिएट प्रोवोस्ट की वाइस प्रेसिडेंट कैथलीन बी. डेविस ने कहा, भारत दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण शैक्षिक बाजारों में से एक बना हुआ है। ऐसा सिर्फ. इसलिए नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय शिक्षा में छात्रों की बहुत ज्यादा दिलचस्पी है, बल्कि इसलिए भी है क्योंकि आज के छात्र ज्यादा स्पष्टता, बढ़ रहे हैं। वे संस्थानों को बहुत व्यापक नजरिए से देख रहे हैं और ऐसे माहौल की तलाश में हैं जहाँ सीखने की प्रक्रिया में रिसर्च, इनोवेशन, प्रैक्टिकल अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण शामिल हों। रोचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की एनरोलमेंट मार्केटिंग & ग्लोबल स्ट्रेटजिक इनिशिएटिव्स, अश्ढ एलिजाबेथ सुल्लिवन ने इस मौके पर कहा, शिक्षा का भविष्य सिर्फ.इस बात पर निर्भर नहीं करता कि छात्र क्या जानते हैं, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करता है कि वे आपस में जुड़ी दुनिया में अपनी जानकारी का कितनी अच्छी तरह उपयोग कर सकते हैं।